भाद्रपद शुक्ल पक्ष 9, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक-75 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
20 सितंबर 2026 रविवार

आज का मौसम
31.0 अधिकतम
21.8 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

युवाओं को लुभाने की राहुल गांधी की गूंज कहां तक जाएगी?

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के शीर्ष नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इन दिनों जातिगत जनगणना के मुद्दे से आगे बढ़कर देश की युवा तरुणाई तक पहुंच बनाने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। सवाल है- छात्रों और युवाओं के बीच उठाई जा रही उनकी यह 'गूंज' आखिर कितनी दूर तक जाएगी? वे लंबे समय से जातिगत जनगणना को सामाजिक न्याय और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जोड़कर उसकी मांग करते रहे हैं। लेकिन, बिहार के चुनावी अनुभव ने इस रणनीति की राजनीतिक उपयोगिता पर सवाल खड़े किए। अब उन्होंने छात्रों और युवाओं की ओर रुख किया है। कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे के बाद 19 सितंबर को इंदौर में 'छात्रों की गूंज' का पांचवां कार्यक्रम हुआ।

शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और 'सिस्टम' राहुल गांधी के नए अभियान के प्रमुख विषय हैं। इन सवालों से असहमति की गुंजाइश कम है। देश का युवा सचमुच इन समस्याओं से जूझ रहा है। लेकिन यहीं राहुल गांधी के सामने असली सवाल खड़ा होता है कि समस्या सबको दिखाई दे रही है, पर समाधान क्या है? जिस 'सिस्टम' पर राहुल गांधी सवाल उठा रहे हैं, वह एक दिन में बना हुआ ढांचा नहीं है। कांग्रेस सहित विभिन्न दलों की सरकारें दशकों तक इसे चलाती रही हैं। इसलिए अगर राहुल गांधी इसे बदलने की बात करते हैं तो देश यह जानना चाहेगा कि वे सत्ता में आने पर इसे बदलेंगे कैसे?

करोड़ों युवाओं को केवल सरकारी नौकरियां देना संभव नहीं है। रोजगार का रास्ता सरकारी क्षेत्र के साथ निजी छोटे-मझोले उद्यम, स्टार्टअप, स्वरोजगार, कृषि और नई अर्थव्यवस्था से होकर भी गुजरता है। ऐसे में राहुल गांधी की आर्थिक नीति और रोजगार का वैकल्पिक मॉडल क्या होगा, यह सवाल उनके भाषणों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यहीं राहुल गांधी की राजनीति की एक बड़ी कमजोरी भी सामने आती है। वे कई बार बीजेपी सरकारों की वास्तविक कमजोरियों को पकड़ने के बजाय नरेंद्र मोदी सरीखी विशाल राजनीतिक मछली को पकड़ने की कोशिश करते हैं, जो उनके हाथ से बार-बार फिसल जाती है। सत्ता की अकुलाहट में कांग्रेस ने अपने कई प्रभावी राजनीतिक अस्त्रों की धार भी कुंद की है। मोदी सरकार की नीतियों, प्रशासनिक विफलताओं, बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्थागत पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर लगातार और ठोस अभियान चलाने के बजाय बहस कई बार व्यक्ति-केंद्रित हो जाती है।

दूसरी ओर बीजेपी कांग्रेस को मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोप वाले राजनीतिक नैरेटिव पर घेरती है। कांग्रेस के लिए मुश्किल यह है कि इस आरोप का जवाब देते हुए उसे अपनी अल्पसंख्यक नीति और व्यापक सामाजिक न्याय की नीति को अधिक स्पष्ट करना होगा। कांग्रेस की पुरानी राजनीति को उसके आलोचक एक ऐसे सामाजिक समीकरण से जोड़ते रहे हैं जिसमें मुस्लिम मतदाताओं को उसका अपेक्षाकृत स्थिर आधार माना गया। यही धारणा अब कांग्रेस के लिए राजनीतिक बोझ भी बनती दिखाई देती है। मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन भी कोई स्थायी या एकमुश्त राजनीतिक संपत्ति नहीं है। अलग-अलग राज्यों में जब उन्हें प्रभावी क्षेत्रीय विकल्प दिखाई देता है, तो उनका समर्थन उन दलों की ओर जाता रहा है। बिहार के चुनावी अध्ययन में भी मुस्लिम और यादव मतदाताओं के एक बड़े हिस्से के महागठबंधन की ओर जाने का उल्लेख मिलता है, जबकि दलित मतदाताओं के व्यवहार में चरण और क्षेत्र के अनुसार बदलाव दिखाई दिया।

भावनात्मक भाषण से जरूरी ठोस कार्यक्रम

यही बात कांग्रेस के व्यापक सामाजिक आधार पर भी लागू होती है। दलित, आदिवासी, पिछड़े और सवर्ण मतदाताओं का समर्थन भी किसी एक दल के लिए स्थायी नहीं है। चुनाव-दर-चुनाव समीकरण बदलते रहे हैं। कांग्रेस के लिए चुनौती यह है कि वह इन समुदायों को केवल चुनावी गणित का हिस्सा मानने के बजाय उनके लिए शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक अवसरों के ठोस कार्यक्रम सामने रखे। राहुल गांधी के सामने चुनौती केवल भीड़ जुटाने की नहीं है। युवा एकरूप मतदाता नहीं है। किसी के लिए सरकारी नौकरी महत्वपूर्ण है, किसी के लिए निजी रोजगार, किसी के लिए उद्यमिता और किसी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा। इसलिए छात्रों की भावनाओं को राजनीतिक समर्थन में बदलने के लिए भावनात्मक भाषण से अधिक जरूरी है- ठोस कार्यक्रम।

केवल मोदी विरोध पर्याप्त नहीं...

यदि राहुल गांधी 'सिस्टम' बदलने की बात करते हैं तो उन्हें बताना होगा कि शिक्षा व्यवस्था कैसे बदलेगी, भर्ती प्रक्रिया कैसे सुधरेगी, निजी क्षेत्र में रोजगार कैसे बढ़ेगा, युवाओं को कौशल और पूंजी कैसे मिलेगी और देश की अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका क्या होगी। यही 'छात्रों की गूंज' की असली परीक्षा है। कोटा से इंदौर तक उठी आवाज यदि केवल सभाओं और सोशल मीडिया तक सीमित रहती है तो उसका प्रभाव सीमित हो सकता है। लेकिन यदि कांग्रेस इसे युवाओं के लिए स्पष्ट नीति, रोजगार के कार्यक्रम और शासन के वैकल्पिक मॉडल में बदल पाती है, तो यह उसके राजनीतिक विमर्श को नई दिशा दे सकती है। राहुल गांधी को यह भी समझना होगा कि नरेंद्र मोदी को चुनौती देने के लिए केवल मोदी-विरोध पर्याप्त नहीं है। उन्हें देश के सामने यह भी रखना होगा कि मोदी के बाद भारत कैसा होगा और उस भारत को बनाने की उनकी योजना क्या है। 'छात्रों की गूंज' कितनी दूर तक जाएगी, इसका फैसला किसी मंच पर नहीं होगा। फैसला तब होगा, जब देश का युवा यह तय करेगा कि उसे केवल अपनी समस्या की आवाज चाहिए, या उस समस्या का समाधान भी।

न्यूज विंडो

मंदसौर: ट्रैक्टर-ट्रॉली को मिनी ट्रक ने मारी टक्कर, महिला-बच्ची की मौत

मंदसौर। महू-नीमच राजमार्ग पर ग्राम लखमाखेड़ी के पास तेज गति से चला रहे मिनी ट्रक चालक ने मजदूरों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली को टक्कर मार दी। ट्रॉली पलटने से एक मासूम सहित दो की मौत हो गई। वही 17 लोग घायल हुए है। सभी का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। सभी मजदूर रेलवे ठेकेदार के यहां काम करते हैं और रात में मंदसौर से उज्जैन जा रहे थे।

एटीएस ने ढेर किया 30 लाख का मोस्ट वांटेड इनामी नक्सली

वाराणसी। रामनगर थाना क्षेत्र के लंका मैदान में आज एसटीएस और प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) के कमांडर के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में 30 लाख रुपये का इनामी नक्सली कमांडर बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता की गोली लगने से मौत हो गई। वह झारखंड के चतरा जिले के लूटू, थाना लवलंग का निवासी था।

बैंकॉक से दिल्ली जा रही फ्लाइट की मेडिकल इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ। बैंकॉक से दिल्ली जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक उड़ान में शनिवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब एक यात्री की तबीयत अचानक गंभीर रूप से बिगड़ गई। स्थिति को देखते हुए पायलट ने लखनऊ एयरपोर्ट पर मेडिकल इमरजेंसी लैंडिंग कराई। एयरपोर्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इंडिगो की उड़ान संख्या 6E-1054 बैंकॉक से रात करीब 8:15 बजे रवाना हुई थी और इसे रात 11:10 बजे दिल्ली पहुंचना था।

मंडल के दस्ते पर बड़ा प्रहार, दो और इनामी माओवादी बंगाल में गिरफ्तार

रांची। झारखंड के सारंडा में सक्रिय रहे 2.20 करोड़ के इनामी माओवादी असीम मंडल की बंगाल में गिरफ्तारी के बाद अब उसके दस्ते के दो सदस्यों की भी बंगाल के मेदनीपुर जिले के सालबनी में गिरफ्तारी हो गई है। गिरफ्तार माओवादियों में पांच लाख का इनामी माओवादियों का सब जोनल कमांडर मंगल सिंह सरदार उर्फ मंगल महतो उर्फ समीर उर्फ पांडेय व दो लाख की इनामी उसकी पत्नी माल्ती शामिल हैं।

आज का कार्टून

अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में दूतावासों और नागरिकों को सतर्क रहने को कहा

ईरान ने सेनाओं के लिए 'CODE-100' अलर्ट जारी किया, छुट्टी छोड़ लौटे ट्रंप

तनाव चरम पर ...अमेरिकी B-1B लांसर बॉम्बर मिडिल-ईस्ट की तरफ रवाना

वाशिंगटन डीसी / तेहरान, एजेंसी

मध्य पूर्व में आज तनाव अचानक बढ़ने की खबरें आ रही हैं। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान ने अपनी सशस्त्र सेनाओं के लिए 'CODE-100' नामक उच्चतम अलर्ट स्तर जारी कर दिया है। इसमें इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, नियमित सेना और सुरक्षा बल शामिल हैं। इस अलर्ट के जारी होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कैम्प डेविड में अपना वीकेंड वेकेशन छोटा कर बीती रात को ही व्हाइट हाउस लौट आए। उन्होंने इसके पीछे संभावित बड़े तनाव का हवाला दिया। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी अपनी अमेरिका यात्रा बीच में ही छोड़कर इजरायल लौटने का फैसला किया।

विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान का 'कोड 100' जारी करना क्षेत्र में तनाव की गंभीरता को दर्शाता है। हालांकि अभी तक यह पुष्टि नहीं हुई है कि ये कदम व्यापक सैन्य संघर्ष की शुरुआत का संकेत हैं। ट्रंप का अचानक व्हाइट हाउस लौटना और अन्य नेताओं का यात्रा कार्यक्रम बदलना बताता है कि अमेरिका और उसके सहयोगी किसी संभावित बड़े घटनाक्रम को लेकर पूरी तरह सतर्क हैं।

अमेरिका ने पूरे मिडिल ईस्ट में मौजूद अपने

दूतावासों और नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने लोगों से ज्यादा सतर्क रहने को कहा है। इराक, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में रह रहे अपने नागरिकों को सावधान रहने की सलाह दी गई है। अमेरिका ने कहा कि मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए इन देशों की यात्रा करने वाले अमेरिकियों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। नागरिकों से कहा गया है कि वे फ्लाइट और एयरपोर्ट से जुड़ी ताजा जानकारी देखते रहें। रशिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी B-1B लांसर बॉम्बर ब्रिटेन के RAF फेयरफोर्ड एयरबेस से फुल आफ्टरबर्नर के साथ उड़ान भरते हुए मिडिल-ईस्ट की तरफ रवाना हुआ है। ईरानी मीडिया ने भी उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-हसकाह में खाराब अल-जिर एयरबेस के पास एयर डिफेंस एक्टिविटी की जानकारी दी है।

ईरान ने रखी हैं सात शर्तें

ईरान ने चल रही जंग खत्म करने के लिए अमेरिका के सामने 7 शर्तें रखी हैं। ईरान ने कहा है कि अगर अमेरिका ने उसकी मांगें नहीं मानीं तो वह जंग जारी रखने के लिए तैयार है। ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसिन रेजाई ने अल जजीरा से कहा कि कतर ने मध्यस्थ के तौर पर ईरान की शर्तें अमेरिका तक पहुंचा दी हैं। अब ईरान ट्रम्प के जवाब का इंतजार कर रहा है। रेजाई के मुताबिक, ईरान की मांगों में सभी मोर्चों पर युद्ध रोकना, विदेशों में फ्रीज किए गए ईरानी फंड जारी करना और नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना शामिल है।

रियाद पर बैलिस्टिक मिसाइल हमला

उधर, सऊदी अरब ने कहा है कि हूतियों ने उसकी राजधानी रियाद पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला करने की कोशिश की। सऊदी सेना के मुताबिक, उसने मिसाइलों को रास्ते में ही रोक दिया। हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि संगठन ने सऊदी अरब पर कई बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन भी भेजे। उनके मुताबिक, रियाद और सऊदी तेल कंपनी अरामको की यानबू स्थित सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इस हमले के बाद सऊदी अरब और हूतियों के बीच तनाव और बढ़ गया है। इस बीच ईरान की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नर्गिस मोहम्मदी ने कहा है कि देश में चल रही जंग, आर्थिक संकट और सरकारी दमन का सबसे ज्यादा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। उन्होंने एपी से बातचीत में कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों के लिए सांस लेना भी मुश्किल हो गया है।

एशियन गेम्स-2026

भारत ने शूटिंग में दूसरा सिल्वर जीता, एलावेनिल वलारिवन गोल्ड चूकीं

आइची नागोया, एजेंसी

भारत ने 20वें एशियन गेम्स के पहले दिन 2 सिल्वर मेडल जीत लिए हैं। आज एलावेनिल वलारिवन विमेंस 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में 0.6 अंक से गोल्ड मेडल चूक गई। उन्हें रजत से ही संतोष करना पड़ा। 27 साल की वलारिवन 252.4 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। जबकि जापान की ताई ची ने 253.0 अंक लेकर गोल्ड मेडल जीता। टीम इवेंट में भारतीय टीम 1898.0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

सुचिका तरियाल ने मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की ट्रेडिशनल कैटेगरी के सेमीफाइनल में पहुंचकर मेडल पक्का किया। उन्होंने मंगोलिया की अल्तनचिमेग बैगलमा को 2-0 से हराया। भारत की महिला हॉकी टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया।

हादसा... मुंबई में बीएमडब्ल्यू फ्लाई ओवर से गिरी, कार सवार 3 की मौत

मुंबई। मुंबई के कोस्टल रोड पर आज सुबह एक बीएमडब्ल्यू फ्लाईओवर से नीचे गिर गई। हादसे में कार सवार 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 5:20 बजे हुआ। काले रंग की बीएमडब्ल्यू मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर जा रही थी। तेज रफ्तार होने की वजह से ड्राइवर ने कार पर से कंट्रोल खो दिया। इसके बाद कार फ्लाईओवर से नीचे गिर गई और हादसे में 3 लोगों की जान चली गई।

सुसाइड केस... आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर पर एफआईआर दर्ज हुई

मुंबई। आईआईटी बॉम्बे में स्टूडेंट साहिल रविंद्र वाकोडे की आत्महत्या के मामले में प्रोफेसर सूर्यनारायण डल्ला पर FIR दर्ज की गई है। साहिल के पिता ने प्रोफेसर पर बेटे को करीब 3 महीने से जातिसूचक गालियां देने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। साहिल के पिता ने अपनी शिकायत में IIT बॉम्बे के डायरेक्टर श्रीशिश बी. केदारे, कुछ फैकल्टी मेंबर्स और सीनियर अधिकारियों के नाम भी दिए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि डायरेक्टर के निर्देश पर साहिल का उत्पीड़न किया गया।

छात्रों की गूंज इवेंट विवाद.... भाजपा बोली- कांग्रेस जोकरों की पार्टी बनी

नई दिल्ली। इंदौर में राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी की मिमिक्री को लेकर BJP और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को X पर पोस्ट में लिखा- कांग्रेस पार्टी कॉमेडियंस और जोकर्स की पार्टी बन गई है। वे हमेशा के लिए बाहर हो गए हैं...रेस्ट इन पीस। वहीं शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा- राहुल और कांग्रेस पार्टी नैतिक दिवालियापन के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं।

मेट्रो एंकर

परिवार की तीसरी पीढ़ी की सैन्य अधिकारी, पहले प्रयास में पास किया था सीडीएस

छोटे गांव की नव्या बनीं राष्ट्रपति की पहली महिला आर्मी एडीसी

नई दिल्ली / दिल्ली, एजेंसी

राजस्थान के सीकर जिले के छोटे से गांव केरपुरा की बेटी मेजर नव्या शेखावत ने भारतीय सेना में एक नया इतिहास रचा है। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का Aide-de-Camp (ADC) नियुक्त किया गया। वह राष्ट्रपति की एडीसी बनने वाली भारतीय थल सेना की पहली महिला अधिकारी हैं। तीनों सेनाओं की बात करें तो वह इस पद तक पहुंचने वाली दूसरी महिला सैन्य अधिकारी हैं। उनसे पहले पिछले साल भारतीय नौसेना की लेफ्टिनेंट कमांडर यशस्वी सोलंकी राष्ट्रपति की पहली महिला ADC बनी थीं।

नव्या का जन्म 1998 में सीकर जिले के खंडेला ब्लॉक के केरपुरा गांव में हुआ। उनका परिवार सैन्य पृष्ठभूमि वाला है। उनके दादा रिटायर्ड विंग कमांडर भंवर सिंह शेखावत हैं, जबकि पिता ग्रुप कैप्टन हैं। यानी परिवार की दो पीढ़ियों से सेना से जुड़ाव ने नव्या को बचपन से ही अनुशासन और देशसेवा के माहौल से परिचित कराया। हालांकि उनके लिए यह सिर्फ पारिवारिक परंपरा नहीं थी। उन्होंने अपनी मेहनत और योग्यता से सेना में अपना रास्ता बनाया। उन्होंने राजस्थान के सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ स्थित मोदी संस्थान से अर्थशास्त्र में स्नातक की पढ़ाई की। उन्होंने यूपीएससी की कम्बाइंड डिफेन्स परीक्षा दी और पहले ही प्रयास में सफलता हासिल की।

नव्या का सैन्य करियर भी तेज प्रगति वाला रहा। 2021 में लेफ्टिनेंट के रूप में सेना में शामिल होने के बाद वह तीन साल में कैप्टन और करीब पांच साल में मेजर बनीं। 2025 से उन्होंने राष्ट्रपति भवन में सेवाएं देना शुरू किया और अब उन्हें राष्ट्रपति की ADC की जिम्मेदारी मिली। राष्ट्रपति की ADC की भूमिका केवल किसी समारोह में राष्ट्रपति के साथ खड़े रहने तक सीमित नहीं होती। वे राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यक्रमों में सैन्य और औपचारिक प्रोटोकॉल से जुड़ी जिम्मेदारियों में सहायता करते हैं। इस पद के लिए अधिकारियों के सेवा रिकॉर्ड, नेतृत्व क्षमता और पेशेवर प्रदर्शन को महत्वपूर्ण माना जाता है।

दादा बोले- जिम्मेदारियों से नहीं डरती

नव्या के दादा भंवर सिंह शेखावत ने उनके बारे में बताया कि बचपन से ही वह जिम्मेदारियों से पीछे हटने वाली नहीं थीं। कॉलेज के दिनों में हॉर्स राइडिंग से लेकर सेना में जाने तक उन्होंने हर चुनौती को गंभीरता से लिया। उनके अनुसार नव्या जो भी काम करती हैं, पूरी लगन से करती हैं। राष्ट्रपति की ADC बनने के बाद उनके गांव केरपुरा में भी खुशी का माहौल है। नव्या की कहानी की खास बात यह है कि उन्होंने किसी आसान रास्ते से यह मुकाम हासिल नहीं किया। छोटे गांव से निकलकर अर्थशास्त्र की पढ़ाई की, देश की कठिन रक्षा परीक्षाओं में सफलता पाई, सैन्य प्रशिक्षण लिया और महज पांच वर्ष के सैन्य करियर में राष्ट्रपति भवन तक पहुंचीं।

कहीं पिता शिव के रूप में तो कहीं वन्य प्राणियों की महत्ता बता रहे भगवान श्रीगणेश

भोपाल। पुराने शहर के इतवारा-जुमेराती क्षेत्र स्थित ट्रांसपोर्ट नगर बाजार में गणेश उत्सव के अवसर पर भगवान गणेश की झांकी का आकर्षण देखते ही बन रहा है। शाम होते ही रंग-बिरंगी रोशनी से पूरा बाजार जगमगा उठता है। कहीं भगवान गणेश के साथ पूरा शिव परिवार आशीर्वाद दे रहे हैं तो कहीं पिता शिव के स्वरूप में भगवान गणेश के अवतार की छटा निराली दिख रही है। लोग सुबह की पूजा के साथ ही शाम की आरती में शामिल होने पहुंच रहे हैं। जुमेराती क्षेत्र में तो बाबा गणेश की झांकी पर्यावरण की महत्ता बता रही है। एक ओर यहां टाइगर स्टेट मप्र की झलक भी दिख रही है। इसके साथ ही कई तरह के वन्य प्राणियों के बीच भगवान श्री गणेश पूरी तरह हरियाली के बीच विराजे हैं। लोग उनका आशीष पाने के लिए उमड़ रहे हैं।

हरियाली के बीच विराजे गणेश: यहां भगवान गणेश वन्य प्राणियों की महत्ता बता रहे हैं। बाघ, तेंदुआ, शेर, गाय, मोर, बतख, उल्लू हर तरह के प्राणी इस झांकी में समाए हैं। साथ ही चारों ओर हरियाली फैली है।

भगवान गणेश का काला रूप: यहां भगवान काले स्वरूप में विराजे हैं। उनकी 10 भुजाएं नटराज के रूप में है। बाघम्बर छाल में लिपटे गणेशजी को देखते ही पहली ही नजर में उनके पिता शिव की छटा नजर आ रही है।

न्यूज विंडो

चाय कैफे ठीक से नहीं चल रहा था, संचालक ने लगाया फंदा

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित महिंद्रा ग्रीन वुड्स कॉलोनी जाटखेड़ी में चाय कैफे संचालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार शिवराम कृष्ण पांडे (35) गाजीपुर उप्र का रहने वाला था। वह महिंद्रा ग्रीन वुड्स कॉलोनी जाटखेड़ी में रहता था और दस नंबर पर चाय कैफे का संचालन करता था। दस नंबर पर गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना होने के कारण उसका कैफे अभी ठीक से नहीं चल रहा था और उसने बंद कर रखा था। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब दो बजे के आसपास के लोगों की नजर शिवराम कृष्ण के फ्लैट की खिड़की पर पड़ी तो वह फांसी के फंदे पर लटके नजर आया। उसकी पत्नी और बच्चे गाजीपुर में हैं।

पुलिस ने बिहार तक किया पीछा... इनामी चरस सप्लायर को दबोचा

भोपाल। क्राइम ब्रांच ने चरस तस्करी के मामले में फरार चल रहे पांच हजार रुपए के इनामी चरस तस्कर को बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले से गिरफ्तार किया है। चरस तस्करी में नौशीन खान और जावेद खान समेत अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। उनसे 1.630 किलो चरस बरामद हुई थी। पूछताछ में मुख्य सप्लायर ममताज मियां का नाम सामने आया, जो फरार था और उस पर पांच हजार का इनाम घोषित किया था। उसकी तलाश में क्राइम ब्रांच की टीम ने जबलपुर, मैहर, रीवा, वाराणसी, जमशेदपुर, देवघर, पटना और मुजफ्फरपुर होते हुए बिहार के बेतिया तक दबिश दी। रक्सौल, नरकटियागंज और बेतिया में तलाश के बाद तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने ममताज मियां (34) निवासी भलूवाहियां थाना पुरुषोत्तमपुर बिहार को मैनाटांड चौराहे, बेतिया से गिरफ्तार कर लिया।

शाहजहां बेगम मकबरे पर नशेड़ियों का अड्डा, सुरक्षा की मांग

भोपाल। शहर की ऐतिहासिक धरोहर मकबरा शाहजहां बेगम की बदहाल स्थिति को लेकर संरक्षण, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठी है। मकबरे में साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था के अभाव पर चिंता जताते हुए इसे असामाजिक तत्वों और नशेड़ियों का अड्डा बनने से रोकने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता बताई है। मप्र सर्वधर्म सद्भावना मंच के सचिव हाजी मो. इमरान हारून व अन्य ने मकबरे का निरीक्षण कर व्यवस्था बनाने की मांग की।

तीन साल पहले बने केंद्र के नियम 9 माह से लागू, फिर भी कार्रवाई नहीं

ताक पर नियम, शहर में सेकंड हैंड गाड़ियों का अवैध कारोबार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

तीन साल पहले केंद्र सरकार ने सेकंड हैंड वाहनों की खरीद-बिक्री में होने वाली गड़बड़ियों और धोखाधड़ी को रोकने के लिए नियमों में बदलाव किया था। इसके तहत सिर्फ परिवहन विभाग के साथ रजिस्टर्ड डीलर ही सेकंड हैंड कार और बाइक खरीद या बेच सकेंगे। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा वर्ष 2022 में जारी अधिसूचना के तहत केंद्रीय मोटरयान नियम, 1989 में नियम 55, से 55 एच जोड़े गए, 1 जनवरी 2026 से परिवहन विभाग ने राजधानी सहित पूरे प्रदेश में सेकंड हैंड वाहनों के कारोबार से जुड़े इन नियमों को लागू कर दिया है। इसके बाद भी सेकंड हैंड गाड़ियों का अवैध कारोबार पूरी तरह नहीं रुक सका। हर साल राजधानी में दो और चार पहियों की बिक्री के कारोबार का आंकड़ा करोड़ों में है। रजिस्ट्रेशन और रिकार्ड न होने से टैक्स की चोरी हो रही है। चोरी और एक्सीडेंट के वाहन भी खपाए जा रहे हैं। लेकिन अब तक इस मामले में कार्रवाई नहीं हुई। कई डीलर बिना रजिस्ट्रेशन के कारोबार कर रहे हैं, वहीं नए नियम लागू होने के बाद भी बहुत कम संख्या में सेकंड हैंड वाहनों के कारोबारी ने आरटीओ में रजिस्ट्रेशन कराया है। इससे एक ओर जहां नियमों की अनदेखी हो रही है, वहीं परिवहन विभाग को भी

परिवहन विभाग के पास यूज्ड गाड़ियों की खरीद-बिक्री का रिकॉर्ड नहीं

30 फीसदी कारोबारी ही रजिस्टर्ड

शहर में सैकड़ों कारोबारी बिना रजिस्ट्रेशन के दो और चार पहिया वाहनों की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। इसका कोई रिकॉर्ड आरटीओ के पास नहीं है। मुश्किल से 20 से 30 फीसदी कारोबारियों ने ही रजिस्ट्रेशन कराया है, जबकि नए और पुराने शहर में मिलाकर यूज्ड वाहन डीलरों की संख्या डेढ़ से दो हजार के बीच में है।

वाहन मालिक को फॉर्म-29 सी भरना जरूरी

नियमानुसर, यदि कोई वाहन स्वामी पुराना वाहन बेचता है तो उसे सिर्फ ऑथराइज्ड डीलर के जरिए ही बेचनी होगी। इसके लिए वाहन स्वामी को फॉर्म 29सी में जानकारी आरटीओ को पहले सूचना देनी होगी। इस सूचना पर डीलर को उस वाहन का डीम्ड ओनर माना जाएगा और वही वाहन को आगे बेच सकेगा। इस अवधि में वाहन की जिम्मेदारी डीलर की होगी।

25 हजार रुपए फीस भरने का प्रावधान

पुराने वाहनों की खरीद-बिक्री के लिए ऑथराइजेशन के लिए 25 हजार रुपए शुल्क तय है। वाहन स्वामी को डीलर के माध्यम से गाड़ी बेचने पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। ऑथराइज्ड डीलर को अपने आधिपत्य की गाड़ियों का रिकॉर्ड रखना होगा। गाड़ी बेचने के बाद लाभ पर18 प्रतिशत जीएसटी देने का भी नियम है। डीलरों के रजिस्टर्ड न होने से विभाग को आय में चूना लग रहा है।

सेकंड हैंड गाड़ियों के संबंध में यह हैं नियम

नियमों के मुताबिक आरटीओ से रजिस्टर्ड डीलर और कंपनियां ही कार या व्हीकल खरीद और बेच सकेगी। इससे सेकंड हैंड गाड़ियों की खरीदी-बिक्री में पारदर्शिता आएगी। सरकार ने केंद्रीय मोटरयान वाहन नियम 1989 के अध्याय तीन में संशोधन किया है। इससे गाड़ी के ट्रांसफर में होने वाली रुकावट, थर्ड पार्टी से बकाया वसूलने संबंधी विवाद, डिफॉल्टर तय करने में होने वाली परेशानी दूर होगी।

बिचौलियों को रीसेल के लिए आए प्रत्येक पंजीकृत वाहन के बारे में अधिकारियों को सूचित करना होगा। डीलरों को अब ये अधिकार दिए गए हैं कि वे अब कब्जे वाली गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन, फिटनेस सर्टिफिकेट, एनओसी और वाहन ट्रांसफर के लिए सीधे आवेदन कर पाएंगे। डीलर को इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल्स का ट्रिप रजिस्ट्रेशन रखना जरूरी होगा। इस दौरान गाड़ी का यूज करने का पूरा ब्योरा देना होगा। जैसे गंतव्य स्थान जाने का कारण, कितने किलोमीटर कार चलाई गई और ड्राइवर कौन था, माइलेज और समय आदि।

विद्यार्थियों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

हिन्दी को बढ़ावा देने BMHRC में प्रतियोगिता, श्रुतलेख में झलकी भावना

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में चल रहे हिंदी पखवाड़े के तहत नर्सिंग कॉलेज में 'श्रुतलेख प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में संस्थान के 38 कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में कवि एवं लेखक श्री संदीप नेमा 'दीप' (सहायक अनुभाग अधिकारी एवं राजभाषा प्रभारी, के.वि.सं., क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल) मुख्य अतिथि, विषय विशेषज्ञ एवं निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आरंभ में बीएमएचआरसी के जनसम्पर्क अधिकारी एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी रितेश पुरोहित ने हरित पादप भेंट कर नेमा का स्वागत किया। नेमा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि राजभाषा का प्रचार-प्रसार देश के विकास के लिए नितांत आवश्यक है और इसके सहज प्रयोग से ही इसका विस्तार संभव है।

नेमा खुद हैं गैस पीड़ित

बता दें नेमा स्वयं 1984 के भोपाल गैस पीड़ित हैं और केंद्रीय कर्मचारी के रूप में भोपाल में हिंदी के प्रचार-प्रसार में निरंतर योगदान दे रहे हैं। अंत में, पुरोहित ने सभी का आभार व्यक्त किया और संस्थान में राजभाषा के कार्यान्वयन से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी दी।

बंगाली मोहल्ले में चल रहा था जुए का अड्डा

खाकी पर दाग: शाहपुरा के हाई-प्रोफाइल अड्डे पर रेड, एसएएफ के दो जवानों समेत 13 जुआरी पकड़े

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शाहपुरा में पुलिस ने एक घर में चल रहे हाई-प्रोफाइल जुए के अड्डे पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस की इस दबिश में मप्र विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) के दो जवानों समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मौके से एक लाख से अधिक नकद और कई मोबाइल फोन बरामद हुए हैं, जिससे पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है।

बताते हैं, शाहपुरा के बंगाली मोहल्ले में स्थित जे-36 मकान के अंदर अवैध रूप से जुआ खेले जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से मौके पर

पहुंचकर मकान को चारों तरफ से घेर लिया और अचानक अंदर दबिश दी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने तलाशी ली तो वहां से एक लाख चार हजार रुपए नकद, 14 मोबाइल फोन और ताश की गड्डियां बरामद हुईं। फड़ चलाने वाले मकान मालिक विकास वशिष्ठ को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

कई जगहों से लोग यहां आकर खेलते थे जुआ

पूछताछ में पता चला है, इस अड्डे पर सिर्फ स्थानीय लोग ही नहीं, बल्कि भोपाल के विभिन्न इलाकों से लोग आकर जुआ खेलते थे। पकड़े गए अन्य आरोपियों में संदीप कुमार दीक्षित, दीपक ठाकुर, नरेश कुशवाह, वीरेंद्र पटेल, जमीर खान, अरबाज, मोहित वर्मा, देशराज यादव, सरस्वती साहू, धर्मेंद्र परिहार, प्रहलाद साहू और यशवंत दुबे के नाम सामने आए हैं। घटना के सामने आने के बाद पुलिस विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठने लाजिमी हैं। विभाग पता लगा रहा है कि यह अड्डा कब से चल रहा था, इसमें पर्दे के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं।

अलर्ट...लोग फॉलो और मैसेज ना करें

भोपाल कलेक्टर के नाम की बनाई फर्जी फेसबुक आईडी

भोपाल। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के नाम से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक फर्जी आईडी बनाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में जिला प्रशासन ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से अलर्ट जारी किया है। जिसमें आम लोगों से अपील की है कि वे इस फेक आईडी को न तो फॉलो करें और न ही इसके किसी मैसेज का जवाब दें। शातिर साइबर फ्रॉड ने फेसबुक पर 'प्रियंक मिश्रा आईएएस' नाम से यह फर्जी प्रोफाइल तैयार की है। लोगों को झांसे में लेने और प्रोफाइल को असली दिखाने के लिए इसमें कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के साथ अपर कलेक्टर सुमित पांडेय और जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी का फोटो (डीपी) लगाया गया है। ताकि लोगों को अधिकृत अकाउंट ही लगे। अब इस तरह की फर्जी फेसबुक आईडी कैसे और किसने बनाई है, साइबर सेल पता लगा रही है। कलेक्टर कार्यालय ने लोगों को सतर्क रहने का संदेश दिया है। कहा है, इसे फॉलो या सब्सक्राइब न करें।

मेट्रो एंकर

नगर निगम में जोनल अफसर की आईडी से किया बड़ा फर्जीवाड़ा

स्कूल का टैक्स था 7.71 लाख, घटाकर किया 1.09 लाख

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नगर निगम के जोन क्रमांक-2 के वार्ड क्रमांक-10 स्थित सेंट जोसफ स्कूल, ईदगाह हिल्स के संपत्ति कर खाते में कथित छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। जांच में सामने आया कि स्कूल के संपत्ति कर की मूल मांग करीब 7.71 लाख रुपए थी, जिसे घटाकर महज 1.09 लाख रुपए कर दिया गया। इस तरह से कर राशि में 6.62 लाख रुपए कम किए गए हैं। जोनल अधिकारी की यूजर आईडी के इस्तेमाल और पासवर्ड बदलने की जानकारी सामने आई है। कोहेफिजा पुलिस ने अज्ञात पर धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

देनदारी निकाली तो हुआ खुलासा

पुलिस के मुताबिक, जोनल अधिकारी मोहित मालवीय ने बताया कि अप्रैल 2026 में संपत्ति कर वसूली के दौरान वार्ड क्रमांक-10 स्थित सेंट जोसफ स्कूल की संपत्ति कर आईडी का देयक निकलवाया गया। इसमें कर की राशि काफी दिखी। पोर्टल पर खाते की जांच की गई तो पता चला कि 31 मार्च 2026 को स्कूल ने ऑनलाइन 1,09,423 रुपए जमा किए थे। पुरानी नस्ती मांगी गई, लेकिन वह वार्ड कार्यालय में नहीं मिली। इसके बाद पुराने देयक की छायाप्रति से मिलान किया। इसमें संपत्ति कर 4,49,870 रुपए, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं अधिभार 2,71,311 रुपए व व्यावसायिक लाइसेंस शुल्क एवं अधिभार 50 हजार रुपए कुल 7,71,181 रुपए दर्ज थे। तब गड़बड़ी का पता चला।

पासवर्ड बदले, स्कूल का क्षेत्रफल भी घटा दिया

जांच में पता चला, 31 मार्च 2026 को जोनल अधिकारी, जोन-2 की यूजर आईडी का इस्तेमाल कर स्कूल की संपत्ति का क्षेत्रफल 34,872.3 से घटाकर 5,856 किया गया। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की मूल मांग 2,54,607 रुपए को शून्य, व्यावसायिक शुल्क की 50 हजार रुपए की मांग भी शून्य कर दी। बाद में 24 जून 2026 को स्कूल का क्षेत्रफल फिर बढ़ाया। जांच में तत्कालीन एवं संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रतिवेदन भी लिए गए। इनमें श्रीराजभान त्रिपाठी, अभय चतुर्वेदी, कुलदीप जैन, मोहित मालवीय, जितेंद्र गौर और एसएपी कंसल्टेंट दुर्गा साहू की रिपोर्ट शामिल है।

जोनल अफसर की आईडी से किया गया खेल

पासवर्ड बदलने की गतिविधि संदिग्ध मामले की कंप्यूटर शाखा से कराई गई जांच में 31 मार्च 2026 को जोनल अधिकारी की यूजर आईडी से की गई गतिविधियों की जानकारी सामने आई। डिलायट कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार उसी दिन दोपहर 3:21:02 बजे मुख्यालय के सपोर्ट-1 यूजर से जोन-2 की आईडी का पासवर्ड बदलने की जानकारी मिली। जांच में इसे संदिग्ध बताया है। जांच रिपोर्ट में कहा गया है, 14 मार्च 2026 को कंप्यूटर शाखा के यूजर एप्लीकेशन से उक्त संपत्ति के खाते को एक्सेस किया गया था।

रातीबड़ में वारदात, एक गंभीर घायल

किराना व्यापारी पर दूसरे व्यापारी ने किया तलवार से प्राणघातक हमला

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र के बिशनखेड़ी में पुरानी रंजिश में एक व्यापारी ने दूसरे व्यापारी ने परिजनों के साथ मिलकर तलवार और डंडे से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार बृजमोहन राठौर (50) बिशनखेड़ी में रहकर घर पर ही किराना दुकान चलाते हैं। उनकी दुकान के सामने अजय की किराना दुकान है। आमने-सामने दुकान होने के कारण पहले से दोनों में रंजिश थी। बृजमोहन का भतीजा अभिषेक गुरुवार रात चाचा की दुकान के सामने खड़ा था। तभी उसका एक अन्य साथी था। दोनों आपस में एक दूसरे से गालीगलौज कर रहे थे। सामने दुकान में बैठे अजय को लगा कि गालीगलौज उससे की जा रही है। गालीगलौज करने की बात को लेकर अजय का विवाद अभिषेक से हो गया। विवाद में बृजमोहन राठौर भी पहुंच गए। इधर अजय के घर से अरुण भैयालाल सहित सुनील पहुंचा और दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। मारपीट के दौरान डंडे और तलवार का भी प्रयोग किया गया। तलवार बृजमोहन के पैर में लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रथम नियुक्ति, वरिष्ठता, वेतन और पेंशन प्रभावित होने को लेकर उठाए सवाल

शिक्षक पात्रता परीक्षा पर आठ सवालों से घिरा शिक्षा विभाग

नियुक्ति और वरिष्ठता को लेकर शिक्षकों ने मांगा लिखित जवाब

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा माध्यमिक शिक्षा मंडल को परीक्षा एजेंसी घोषित किए जाने और परीक्षा के दायरे में आने वाले शिक्षकों के पदनाम संबंधी आदेश जारी होने के बाद शिक्षक संगठनों ने विभाग से आठ अहम सवालों के जवाब मांगे हैं। शिक्षकों का कहना है कि वे परीक्षा के विरोध में नहीं हैं, लेकिन पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि वर्तमान में कार्यरत और पूर्व में नियुक्त शिक्षकों पर पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता किस नियम के तहत लागू होगी। खासकर वर्ष 2018 से पहले नियुक्त शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति, वरिष्ठता और सेवा निरंतरता को लेकर स्थिति साफ करने की मांग की गई है।

शिक्षक नेताओं उपेन्द्र कौशल और राजेश मिश्रा ने कहा कि विभाग को लिखित रूप से बताना चाहिए कि वर्ष 2018 से पहले नियुक्त शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति तिथि और सेवा निरंतरता पर पात्रता परीक्षा का कोई प्रभाव पड़ेगा या नहीं। उनका सवाल है कि परीक्षा में शामिल होने अथवा उत्तीर्ण होने से शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति तिथि, वरिष्ठता, वेतन, पेंशन और अन्य सेवाकालीन लाभों में किसी प्रकार का परिवर्तन किया जाएगा या नहीं।

शिक्षकों का कहना है कि प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे शिक्षक हैं, जिनकी नियुक्तियां 1998, 2001, 2003, 2006 और 2009 सहित अलग-अलग वर्षों में हुई हैं। ऐसे में सभी शिक्षकों के लिए एक समान व्यवस्था लागू करने से पहले नियुक्ति वर्ष और संवर्ग के आधार पर स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है।

उच्च न्यायालय में भी पहुंच चुका है मामला

पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता को लेकर ग्वालियर खंडपीठ में डब्ल्यूपी क्रमांक 33517/2026, राजेश मिश्रा बनाम मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य प्रकरण भी प्रस्तुत किया गया है। याचिका में सेवाकाल में कार्यरत शिक्षकों पर पात्रता परीक्षा की उपयोगिता और संबंधित प्रावधानों को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, ग्वालियर खंडपीठ ने 7 सितंबर 2026 के आदेश में उच्चतम न्यायालय के पात्रता परीक्षा संबंधी मूल आदेश के पैरा 168 के संदर्भ में 3 सितंबर 2001 से पहले विधिवत भर्ती नियमों के तहत नियुक्त शिक्षकों से जुड़े प्रश्न पर विचार किया है।

नियम 11(2) पर भी उठे सवाल| इस बीच स्कूल शिक्षा विभाग ने 15 सितंबर 2026 को पात्रता परीक्षा को लेकर नया आदेश जारी किया है। आदेश में मध्यप्रदेश राज्य स्कूल शिक्षा सेवा के शैक्षणिक संवर्ग की सेवा शर्तों एवं भर्ती नियम, 2018 के नियम 11(2) का उल्लेख किया गया है। शिक्षक नेताओं ने इस नियम की प्रयोज्यता को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि नियम 11(2) सीधी भर्ती से संबंधित है तो पहले से सेवा में कार्यरत प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों पर इसे लागू करने का वैधानिक आधार भी विभाग को स्पष्ट करना चाहिए।

नियुक्ति तिथि को लेकर चिंता

शिक्षकों ने वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली और शिक्षा पोर्टल 3.0 में दर्ज प्रथम नियुक्ति तिथि को लेकर भी स्थिति साफ करने की मांग की है। उनका कहना है कि पात्रता परीक्षा में शामिल होने या उसे उत्तीर्ण करने के कारण पहले से दर्ज प्रथम नियुक्ति तिथि में किसी तरह का बदलाव नहीं होना चाहिए। शिक्षक संगठनों ने विभाग से परीक्षा प्रक्रिया आगे बढ़ाने से पहले संवर्गवार और नियुक्ति वर्षवार स्पष्ट लिखित दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है। उनका कहना है कि नियम पहले से स्पष्ट होने पर शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति, वरिष्ठता, सेवा निरंतरता, वेतन, पेंशन और अन्य सेवाकालीन लाभों को लेकर भविष्य में विवाद की स्थिति से बचा जा सकेगा।

युवा धर्म संसद में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का संदेश

कठिनाइयों के बाद ही मिलती है सफलता, धर्म संस्कृति-राष्ट्रसेवा से ही बनेगा सशक्त भारत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में हर युग में वैचारिक मंथन की परंपरा रही है। धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक चिंतन ने समाज को सदैव सही दिशा दिखाई है। उज्जैन भारत की सात पवित्र नगरियों में शामिल है। इसे अवंतिका भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है ऐसा स्थान जिसका कभी अंत नहीं होता। यह कालों के काल बाबा महाकाल की नगरी है, जहां धर्म, दर्शन, विज्ञान और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।मुख्यमंत्री उज्जैन के गीता भवन सभागार में आयोजित तीन दिवसीय युवा धर्म संसद-2026 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रांतों से आए संतों, विद्वानों, प्रबुद्धजनों और युवाओं ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा धर्म संसद के माध्यम से युवाओं को धर्म का वास्तविक मर्म समझने और उसके उद्देश्य को जीवन में अपनाने की प्रेरणा मिलती है। भारतीय संस्कृति 'यत् पिंडे तत् ब्रह्मांडे' के विचार पर आधारित है। धर्म का मूल आधार सत्य, करुणा और अनुशासन है।

उन्होंने कहा कि संत परंपरा मनुष्य को जीवन के गहरे रहस्यों से परिचित कराती है। साधु-संत समाज में व्याप्त विसंगतियों से बचने और दूसरों को भी बचाने के लिए जागरूक करते हैं। धर्म मनुष्य को विषयों के प्रति आसक्ति से दूर कर अनासक्ति और मोक्ष की ओर बढ़ने का मार्ग दिखाता है।

श्रीराम के जीवन से युवाओं को सीख लेने की जरूरत

मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि त्रेता युग में महर्षि विश्वामित्र भगवान श्रीराम और लक्ष्मण को अपने साथ वन में ले गए थे। अपनी दूरदृष्टि के माध्यम से उन्होंने दोनों भाइयों के जरिए मारीच, सुबाहु जैसी आसुरी शक्तियों का अंत कराया और धर्म की रक्षा की। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि सफलता बिना कठिनाइयों के प्राप्त नहीं होती। चुनौतियों के सामने हिम्मत और आत्मविश्वास बनाए रखना जरूरी है। जीवन में संसाधन सीमित हों, तब भी दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर विजय हासिल की जा सकती है। जहां कठिनाइयां होती हैं, वहीं संघर्ष के बाद सफलता का मार्ग भी खुलता है।

राधाष्टमी की शुभकामनाएं, मित्रता का दिया संदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी को राधाष्टमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राधे-राधे का स्मरण करने से भगवान श्रीकृष्ण का ध्यान स्वत: हो जाता है। राधाजी का जीवन भी अनेक कठिनाइयों और त्याग से जुड़ा रहा है। उन्होंने उज्जैन स्थित सांदीपनि आश्रम का उल्लेख करते हुए श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता को प्रेरणादायी बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कठिन समय में मित्र की सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। भारतीय परंपरा में मित्रता, सहयोग और कर्तव्य का विशेष महत्व है। महाभारत से जुड़े प्रसंगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने युवाओं को इतिहास और धर्मग्रंथों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

युवा धर्म संसद से राष्ट्रसेवा की प्रेरणा

समारोह में पूज्य श्री मिथिलेशशरण नंदिनी महाराज ने कहा कि जो व्यक्ति कृतज्ञता का भाव रखता है, वही सच्चे अर्थों में मनुष्य कहलाता है। उन्होंने कहा कि भारत को उसके मूल चरित्र और सांस्कृतिक मूल्यों में पुन: प्रतिष्ठित करने के लिए युवा धर्म संसद जैसे आयोजन लगातार होते रहना चाहिए। ऐसे कार्यक्रम युवाओं को धर्म, संस्कृति, राष्ट्र और समाज की सेवा का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ-2028 के भव्य, दिव्य और नव्य आयोजन की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश को मिली है।

अतिथियों का आभार और प्रतिवेदन प्रस्तुत

सेवा प्रतिष्ठानम के राष्ट्रीय सचिव माधव जी ने कार्यक्रम में उपस्थित संतों, अतिथियों, विद्वानों और युवा शोधार्थियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने युवा धर्म संसद का प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया। समापन समारोह में संतों के आशीर्वचन हुए और युवाओं को भारतीय संस्कृति, धर्म तथा राष्ट्रसेवा से जुड़ने का संदेश दिया गया।

कॉकरोच पार्टी के बाद अब यहां एकजुटता

'विद्वान जनता पार्टी' बनाने का ऐलान; शुजालपुर से परमार के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में नियमितीकरण और नौकरी में स्थायित्व की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे अतिथि विद्वानों ने अब अपनी लड़ाई को राजनीतिक मंच देने का ऐलान किया है। अतिथि विद्वानों ने 'विद्वान जनता पार्टी' बनाने की घोषणा की है। संगठन की ओर से जारी पोस्टर में शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र का भी उल्लेख किया गया है। पोस्टर में संकेत दिया गया है कि आने वाले समय में शुजालपुर से चुनाव मैदान में उतरा जा सकता है। शुजालपुर से उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार विधायक हैं।

विद्वान जनता पार्टी की ओर से जारी पोस्टर में कहा गया है कि अतिथि विद्वानों के हितों के लिए उच्च शिक्षा मंत्री के चैलेंज को स्वीकार करते हुए पार्टी चुनाव मैदान में उतरने के लिए तैयार है। पोस्टर में भाजपा के चुनाव चिह्न कमल का भी चित्र दिखाई देता है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि प्रस्तावित पार्टी का औपचारिक पंजीयन हुआ है या नहीं और आगामी चुनाव में वह किस स्तर पर प्रत्याशी उतारेगी।

नियमितीकरण-स्थायित्व की मांग पर आंदोलन

अतिथि विद्वान पिछले दिनों नियमितीकरण और नौकरी में स्थायित्व की मांग को लेकर भोपाल में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के आवास के बाहर धरने पर बैठे थे। बुधवार को मंत्री ने आंदोलन कर रहे चार प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी। प्रतिनिधियों ने मांग रखी थी कि जब तक अतिथि विद्वानों के नियमितीकरण और स्थायित्व के लिए स्पष्ट नीति नहीं बन जाती, तब तक फॉलन आउट की प्रक्रिया रोक दी जाए। अतिथि विद्वान डॉ. राकेश कुमार सिंह के अनुसार, बातचीत के दौरान मंत्री ने फॉलन आउट प्रक्रिया रोकने से इनकार किया। इसके बाद मंत्री की कथित टिप्पणी को अतिथि विद्वानों ने चुनाव लड़ने की चुनौती के रूप में लिया। आंदोलनकारियों का कहना है कि इसी के बाद उन्होंने राजनीतिक दल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाने का निर्णय लिया।

फॉलन आउट व्यवस्था को लेकर सबसे बड़ा विरोध

अतिथि विद्वानों के आंदोलन का प्रमुख मुद्दा फॉलन आउट व्यवस्था है। उनका कहना है कि जब किसी महाविद्यालय में नियमित प्राध्यापक की नियुक्ति या स्थानांतरण होता है, तो वहां पहले से अध्यापन कर रहे अतिथि विद्वान की सेवाएं समाप्त हो जाती हैं। इससे हर सत्र में नौकरी को लेकर अनिश्चितता बनी रहती है। अतिथि विद्वानों की प्रमुख मांग है कि नियमितीकरण और स्थायित्व के लिए समयबद्ध नीति बनाई जाए। जब तक यह नीति लागू नहीं होती, तब तक फॉलन आउट प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए।

बांग्लादेशी फर्जी पासपोर्ट मामले में खुलासा

ग्वालियर और बैतूल से बने 15 पासपोर्ट के तार जुड़े नसीम अख्तर से

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल के गोविंदपुरा स्थित बौद्ध मठ के पते पर बने 40 पासपोर्ट दलाल नसीम अख्तर की मदद से बने। अब एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। नसीम से पूछताछ में सामने आया है कि ग्वालियर और बैतूल से बने 15 पासपोर्ट के आवेदन भी उसने ही भोपाल से करवाए थे। उसी ने पूरी सांठगांठ की। इसके बाद बगैर गहन जांच पड़ताल के आवेदन आगे की प्रक्रिया के लिए बढ़ा दिए गए।

नसीम अख्तर को पुलिस लेकर गोविंदपुरा में अन्नानगर स्थित उसके कार्यालय भी लेकर गई थी, उसके घर की भी एक टीम ने तलाशी ली। इस दौरान कुछ रिकॉर्ड एसटीएफ की टीम को मिला है, जिसकी पड़ताल जारी है। नसीम से पूछताछ में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। अब तक उसने भोपाल के 40 और नागपुर के पते पर बने 15 पासपोर्ट का राज उगला था। अब उसके तार ग्वालियर के डबरा में बौद्ध विहार के पते पर बने पासपोर्ट और बैतूल से बने पासपोर्ट से भी जुड़ गए हैं। दोनों जिलों के 15 पासपोर्ट बनवाने में उसका ही हाथ है।

भोपाल कर्मचारी की मदद से ग्वालियर में साठगांठ

ग्वालियर से 17 बांग्लादेशी नागरिकों के पासपोर्ट बने थे। यह सभी डबरा स्थित बौद्ध विहार के पते पर बने थे। पूछताछ में सामने आया है कि भोपाल में पासपोर्ट सेवा केंद्र में 2022-2023 में पदस्थ रहे एक कर्मचारी की अहम भूमिका थी। जिससे नसीम अख्तर की नजदीकी थी, उसी ने साठगांठ कराई थी। जिसके चलते यहां भी पासपोर्ट सेवा केंद्र में बारीकी से जांच पड़ताल नहीं हुई। इसके चलते आसानी से आवेदन होने के बाद साक्षात्कार फिर पासपोर्ट की प्रक्रिया आगे बढ़ गई।

जांच में बरती गई लापरवाही

इस मामले में सामने आया है कि ग्वालियर और भोपाल के गोविंदपुरा में पुलिस सत्यापन में जो लापरवाही बरती गई, वह सत्यापन फार्म में सबसे ज्यादा बरती गई। इसमें छह बिंदु आते हैं। इनके आधार पर ही सत्यापन किया जाता है। किस जांच में कौन-सा दस्तावेज लगाया, किससे बात की, गवाह कौन? यह सब बारीकी से लिखना पड़ता है। फार्म तो भरे गए, लेकिन जांच में लापरवाही बरती गई।

- भोपाल के एजेंट ने ग्वालियर और बैतूल से बने कुछ पासपोर्ट के लिए भी आवेदन किया था। उसका संपर्क भोपाल में पासपोर्ट सेवा केंद्र के कर्मचारी से था। जिससे आवेदन के बाद गहनता से जांच नहीं की गई।

राहुल लोढ़ा, डीआईजी, एसटीएफ

छात्रों की गूंज कार्यक्रम पर कांग्रेस नेता तिवारी बोले

इंदौर में छात्र शक्ति का शंखनाद सरकार से जवाबदेही की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कांग्रेस नेता, पार्टी के प्रचारक आशीष तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में उमड़ा विशाल छात्र-युवा सैलाब भाजपा सरकार की नीतियों और शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार के आरोपों के खिलाफ युवाओं की बुलंद आवाज है।

उन्होंने कहा कि पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता,गुणवत्ता विहीन शिक्षा, रोजगार का संकट, शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार के आरोप, महंगी शिक्षा, छात्रवृत्ति , नर्सिंग और प्रतियोगी परीक्षाओं की समस्याएं आज युवाओं की सबसे बड़ी चिंताओं में शामिल हैं। इन मुद्दों पर छात्रों ने खुलकर अपनी आवाज रखी और राहुल गांधी ने उन्हें गंभीरता से सुना। तिवारी ने कहा कि छात्रों ने गर्मजोशी से राहुल गांधी का स्वागत किया और उनके समर्थन में अपनी भावनाएं व्यक्त की। कार्यक्रम में युवाओं की ऐतिहासिक भागीदारी ने यह दिखाया कि छात्र शिक्षा, रोजगार और भविष्य के सवालों को लेकर मुखर हैं। उन्होंने कहा–इंदौर की छात्र शक्ति ने आवाज बुलंद कर दी है–पेपर लीक बंद करो, भर्ती में पारदर्शिता लाओ, रोजगार दो और शिक्षा व्यवस्था को जवाबदेह बनाओ। युवाओं के सवालों से सत्ता की बेचैनी बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन अब सवालों को दबाने के बजाय जवाब देना होगा।

पुलिस में रिव्यू डीसीपी की तैयारी

15 से अधिक डीएसपी हो सकते हैं डिमोट निरीक्षकों को मिलेगा प्रमोशन का मौका

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश पुलिस में पदोन्नति की लंबी प्रक्रिया के बाद अब डीएसपी स्तर पर भी रिव्यू डीपीसी की तैयारी है। मुख्य डीपीसी में निरीक्षक से डीएसपी बनाए गए अधिकारियों की पात्रता और पदोन्नति की शर्तों की दोबारा जांच की जाएगी। सूत्रों के अनुसार इसमें 15 से अधिक डीएसपी पदावनत हो सकते हैं। इनके स्थान पर पात्र पुलिस निरीक्षकों को डीएसपी पद पर पदोन्नत किए जाने की तैयारी है।

रिव्यू डीपीसी के कारण और नाम के भ्रम से बनी स्थिति- जिन डीएसपी की पदोन्नति पर पुनर्विचार किया जा रहा है, उनमें तीन अधिकारी ऐसे बताए जा रहे हैं, जो समान नाम के कारण पदोन्नति सूची में शामिल हो गए थे। इसके अलावा कुछ अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय जांच चल रही है, जबकि कुछ अन्य पदोन्नति की निर्धारित शर्तें पूरी नहीं करते हैं। संबंधित इकाइयों से मिली जानकारी के आधार पर अब इन मामलों की समीक्षा की जा रही है।

पीएचक्यू की जांच और पूर्व निरस्त पदोन्नतियां

पुलिस मुख्यालय ने इस वर्ष विभिन्न संवर्गों में 25 हजार पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी की है। डीएसपी स्तर पर डीपीसी में करीब 250 निरीक्षकों को पदोन्नत कर डीएसपी बनाया गया था। इसके बाद पुलिस मुख्यालय ने सभी इकाइयों से अधिकारियों के विरुद्ध लंबित विभागीय जांच, विभागीय दंड, न्यायालयीन मामलों और अन्य पात्रता संबंधी जानकारी मांगी। इसी जांच में अब डीएसपी स्तर पर रिव्यू डीपीसी की जरूरत सामने आई है।

मेट्रो एंकर | 74 हजार घरों ने अपनाई सौर ऊर्जा, उपभोक्ताओं के खातों में पहुंची 505 करोड़ की राशि

पीएम सूर्यघर योजना से रोशन हुआ मालवा-निमाड़

इंदौर, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मालवा-निमाड़ क्षेत्र में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना तेजी से सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है। योजना के तहत अब तक 74 हजार से अधिक उपभोक्ताओं ने अपने घरों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए हैं। पात्र उपभोक्ताओं को केंद्र सरकार की ओर से अधिकतम 78 हजार रुपये तक की सहायता दी जा रही है। योजना से जुड़े उपभोक्ताओं को प्रतिमाह 300 इकाई तक बिजली उपलब्ध हो रही है, जो सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार की घरेलू जरूरतों के लिए पर्याप्त मानी जा रही है।

योजना के तहत अब तक करीब 505 करोड़ रुपये की सहायता राशि केंद्र के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के माध्यम से उपभोक्ताओं के बैंक खातों में सीधे जमा हो चुकी है। सहायता राशि मिलने का क्रम लगातार जारी है। इससे बड़ी संख्या में परिवारों को अपने घरों की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए प्रोत्साहन मिला है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देश पर सौर ऊर्जा से जुड़े प्रकरणों को तेजी से मंजूरी दी जा रही है। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना लागू होने के बाद मालवा-निमाड़ क्षेत्र में छतों पर लगाए गए सौर ऊर्जा संयंत्रों की संख्या पांच गुना से अधिक हो चुकी है। वर्तमान में सौर ऊर्जा अपनाने वाले परिसरों की कुल संख्या 91 हजार से अधिक हो गई है, जबकि उत्पादन क्षमता 525 मेगावाट से ज्यादा पहुंच चुकी है। इनमें 74 हजार से अधिक उपभोक्ता प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से जुड़े हैं। जल्द ही यह संख्या एक लाख तक पहुंचने की उम्मीद है।

सौर ऊर्जा अपनाने में इंदौर जिला सबसे आगे है। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत इंदौर शहर के करीब 29 हजार उपभोक्ता जुड़े हैं, जबकि पूरे जिले में यह संख्या 33 हजार से अधिक है। सभी योजनाओं को मिलाकर इंदौर जिले के करीब 41 हजार परिसरों में सौर ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है।

उज्जैन दूसरे, रतलाम तीसरे स्थान पर

कंपनी क्षेत्र में सौर ऊर्जा अपनाने के मामले में उज्जैन जिला दूसरे स्थान पर है, जहां करीब 8400 परिसरों में सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं। रतलाम में 7800, मंदसौर में 5500 और देवास में करीब 5000 परिसरों में सौर ऊर्जा उत्पादन हो रहा है। योजना के तहत एक किलोवाट क्षमता के संयंत्र पर 30 हजार रुपये, दूसरे किलोवाट पर 30 हजार और तीसरे किलोवाट पर 18 हजार रुपये की सहायता दी जाती है। इस तरह तीन किलोवाट का संयंत्र लगाने पर पात्र उपभोक्ता को अधिकतम 78 हजार रुपये की सहायता सीधे बैंक खाते में मिलती है। सौर ऊर्जा से जुड़े प्रकरणों की शीघ्र मंजूरी और सहायता राशि समय पर दिलाने के लिए कंपनी स्तर पर विशेष प्रकोष्ठ बनाया गया है। इसमें अतिरिक्त मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारी प्रभारी हैं। प्रत्येक जिले में अधीक्षण यंत्री भी प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना सहित सौर ऊर्जा से जुड़ी योजनाओं की लगातार समीक्षा कर रहे हैं।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 20 सितंबर 2026

अपनी सीमा पहचानें

'न' कहना किसी के प्रति बेरुखी नहीं है। यह अपनी क्षमता, समय और प्राथमिकताओं को समझने का तरीका है। हर व्यक्ति के पास दिन में सीमित समय और ऊर्जा होती है। ऐसे में हर जिम्मेदारी अपने ऊपर लेना न तो हमेशा संभव है और न ही जरूरी। दूसरों की मदद करना अच्छी बात है, लेकिन इसके लिए अपनी जरूरी जिम्मेदारियों, आराम और निजी समय को लगातार नजरअंदाज करना स्वस्थ जीवनशैली का हिस्सा नहीं माना जा सकता।

हर बात पर 'हां' कहना अच्छी आदत नहीं, खुद के लिए भी स्पेस जरूरी

किसी ने मदद मांगी, तुरंत 'हां' कह दिया। दोस्त ने कोई काम सौंपा, अपनी व्यस्तता के बावजूद मना नहीं कर पाए। घर में किसी ने जिम्मेदारी दी, यह सोचकर स्वीकार कर ली कि मना करने पर सामने वाले को बुरा लगेगा। धीरे-धीरे ऐसा व्यक्ति दूसरों के कामों की सूची में तो सबसे ऊपर रहने लगता है, लेकिन अपनी जरूरतें पीछे छूट जाती हैं। हर बात पर हां कहना शुरुआत में विनम्रता, सहयोग और अच्छे व्यवहार जैसा लगता है, लेकिन लगातार ऐसा करते रहने पर थकान, चिड़चिड़ापन और समय की कमी जीवन का हिस्सा बन सकती है।

किसी काम के लिए हां कहने से पहले यह देखना जरूरी है कि उसके लिए आपके पास समय और ऊर्जा है या नहीं। कई बार हम सामने वाले को निराश न करने के डर से तुरंत हामी भर देते हैं और बाद में अपने ही कामों को पूरा करने के लिए परेशान होते हैं। इससे तनाव बढ़ता है और काम की गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए 'हां' कहने से पहले कुछ सेकंड रुकना उपयोगी हो सकता है। खुद से पूछें– क्या यह काम वास्तव में मेरी जिम्मेदारी है? क्या इसे अभी करना जरूरी है? क्या मेरे पास इसे पूरा करने का समय है? अगर जवाब न में है तो विनम्रता से मना करना गलत नहीं है।

उद्देश्य रिश्ता खत्म करना नहीं

बहुत से लोग 'न' इसलिए नहीं कह पाते क्योंकि उन्हें लगता है कि सामने वाला नाराज हो जाएगा या उन्हें स्वार्थी समझेगा। लेकिन हर अनुरोध स्वीकार करना भी रिश्तों की मजबूती की गारंटी नहीं है। रिश्तों में स्पष्टता और एक-दूसरे की सीमाओं का सम्मान भी जरूरी है।

सीधे और कठोर शब्दों में मना करने के बजाय अपनी स्थिति बताई जा सकती है। जैसे–'अभी मेरे पास समय नहीं है', 'इस समय यह जिम्मेदारी नहीं ले पाऊंगा', या 'मैं अभी यह नहीं कर पाऊंगा।' जरूरत हो तो विकल्प भी दिया जा सकता है। इससे बात भी स्पष्ट रहती है और सामने वाले को अनावश्यक ठेस भी नहीं पहुंचती।

पहले अपनी क्षमता देखें- एक्सपर्ट

मनोवैज्ञानिक डॉ. प्रीति सिंह के अनुसार, किसी भी अनुरोध को स्वीकार करने से पहले व्यक्ति को अपनी उपलब्धता और मानसिक ऊर्जा पर विचार करना चाहिए। उनका कहना है कि लगातार अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां लेना व्यक्ति को भावनात्मक रूप से थका सकता है। स्वस्थ सीमा तय करने का अर्थ दूसरों की मदद से इनकार करना नहीं, बल्कि यह तय करना है कि किस समय कितना सहयोग संभव है। विशेषज्ञों के अनुसार, 'न' कहने की शुरुआत छोटी परिस्थितियों से की जा सकती है। जहां किसी काम को स्वीकार करना आपके लिए वास्तव में मुश्किल है, वहां तुरंत जवाब देने के बजाय कहें कि आप अपनी उपलब्धता देखकर बताएंगे। इससे भावनात्मक दबाव में निर्णय लेने की संभावना कम होती है।

हर जिम्मेदारी आपकी नहीं

घर, ऑफिस और सामाजिक जीवन में अक्सर जिम्मेदारियां बिना सोचे एक व्यक्ति के हिस्से में आती जाती हैं। जो व्यक्ति पहले किसी काम के लिए तैयार हो जाता है, उससे भविष्य में भी उसी तरह उम्मीद की जाने लगती है। यही वजह है कि परिवार या कार्यस्थल पर काम बांटने के बजाय कुछ लोग लगातार अतिरिक्त जिम्मेदारियां उठाते रहते हैं। यहां एक सरल नियम अपनाया जा सकता है–जो काम आपकी जिम्मेदारी नहीं है, उसे केवल इसलिए अपने ऊपर न लें कि आप उसे कर सकते हैं। क्षमता होना और जिम्मेदारी होना दो अलग बातें हैं। काम बांटना कमजोरी नहीं, बेहतर प्रबंधन है।

पहले जरूरी काम, फिर अतिरिक्त जिम्मेदारी

दिन की शुरुआत अपनी प्राथमिकताओं से करें। जरूरी कामों की सूची बनाएं और उसमें यह भी तय करें कि कौन-से काम वास्तव में आज पूरे होने चाहिए। इसके बाद अगर समय और ऊर्जा बचती है तो दूसरों की मदद करें।

उदाहरण के लिए, ऑफिस में किसी सहकर्मी का काम लगातार अपने ऊपर लेने से पहले देखें कि आपके अपने काम की समयसीमा क्या है। घर में भी हर छोटा-बड़ा काम अकेले करने के बजाय परिवार के सदस्यों में जिम्मेदारी बांटी जा सकती है। इससे एक व्यक्ति पर बोझ कम होगा और दूसरे सदस्य भी अपनी भूमिका समझेंगे।

'न' कहने का सही तरीका सीखें

'न' कहना अचानक सीखी जाने वाली आदत नहीं है। इसके लिए कुछ अभ्यास जरूरी है। सबसे पहले उन परिस्थितियों पर ध्यान दें जहां आप मन से तैयार न होने के बावजूद हां कहते हैं। फिर अगली बार वहां तुरंत जवाब देने के बजाय थोड़ा समय लें। मना करते समय लंबी सफाई देने की जरूरत भी नहीं है। बहुत अधिक स्पष्टीकरण देने से कई बार बातचीत फिर उसी बिंदु पर लौट आती है। संक्षिप्त, स्पष्ट और विनम्र जवाब ज्यादा प्रभावी होता है।

'अभी संभव नहीं है', 'इस समय मेरी प्राथमिकता कुछ और है', 'मैं यह जिम्मेदारी नहीं ले पाऊंगा' जैसे वाक्य अपनी सीमा बताने के सरल तरीके हो सकते हैं।

जीवन ज्योति

खुद को बदलें, दुनिया अपने आप बदलती नजर आएगी

महात्रया रा
मोटिवेशनल स्पीकर

जीवन में बदलाव की शुरुआत हमेशा बाहर से नहीं, भीतर से होती है। अक्सर शिकायत रहती है कि परिस्थितियां ठीक नहीं हैं, लोग समझते नहीं हैं, समय साथ नहीं दे रहा है। लेकिन एक बार ठहरकर देखने पर समझ आता है कि दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर के विचारों को बदलना जरूरी है। जिस नजर से जीवन को देखा जाता है, जीवन वैसा ही दिखाई देने लगता है। हर व्यक्ति अपने साथ विचारों की एक दुनिया लेकर चलता है। यही विचार उसके व्यवहार, निर्णय और रिश्तों को दिशा देते हैं। अगर मन में लगातार डर, असुरक्षा, क्रोध और शिकायत भरी रहेगी तो सुखद परिस्थितियों में भी बेचैनी बनी रहेगी। इसके विपरीत, मन में स्वीकार, विश्वास और कृतज्ञता हो तो कठिन समय भी सीख देने लगता है। इसलिए जीवन की सबसे बड़ी साधना परिस्थितियों को नियंत्रित करना नहीं, अपने मन को समझना है। दूसरों को बदलने की कोशिश में बहुत ऊर्जा खर्च होती है। कोई वैसा व्यवहार नहीं करता जैसा अपेक्षा होती है, कोई हमारी बात नहीं मानता, कोई हमारे प्रयासों की सराहना नहीं करता। ऐसे में मन बार-बार दूसरों की गलतियां गिनाने लगता है। लेकिन सवाल यह होना चाहिए कि सामने वाले के व्यवहार पर हमारा नियंत्रण कितना है और अपनी प्रतिक्रिया पर कितना। दूसरे का व्यवहार हमारे हाथ में नहीं, लेकिन उसके प्रति अपनी प्रतिक्रिया चुनना हमारे हाथ में जरूर है।

अपेक्षाओं का बोझ कम करें: रिश्तों में सबसे ज्यादा परेशानी कई बार प्रेम की कमी से नहीं, अपेक्षाओं की अधिकता से पैदा होती है। हम चाहते हैं कि सामने वाला हमें समझे, हमारी भावनाओं का ध्यान रखे और हमारी इच्छा के अनुसार व्यवहार करे। जब ऐसा नहीं होता तो दुख पैदा होता है। अपेक्षाएं जितनी बढ़ती जाती हैं, निराशा की संभावना भी उतनी बढ़ती जाती है। इसका अर्थ यह नहीं कि रिश्तों में अपेक्षाएं बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। अर्थ यह है कि प्रेम को सौदे में बदलने से बचना चाहिए। किसी के लिए अच्छा काम इसलिए किया जाए कि वह हमारे लिए भी वैसा ही करेगा, तो मन में हिसाब शुरू हो जाता है। लेकिन जब अच्छा व्यवहार अपने स्वभाव का हिस्सा बन जाता है, तब मन हल्का रहता है।

गलती से सीखना कमजोरी नहीं है: जीवन में गलतियां होना स्वाभाविक है। समस्या गलती में नहीं, गलती के बाद स्वयं को लगातार दोषी मानते रहने में है। अतीत को बदला नहीं जा सकता, लेकिन उससे मिलने वाली सीख को वर्तमान में इस्तेमाल किया जा सकता है। जो घटना बीत चुकी है, उसे बार-बार मन में दोहराने से केवल वर्तमान खराब होता है। अपने अतीत को शिक्षक की तरह देखिए, न्यायाधीश की तरह नहीं। जिसने जो गलती की, उससे सीखिए और आगे बढ़िए। खुद को क्षमा करना भी आत्म-विकास का हिस्सा है। जब व्यक्ति अपने पुराने निर्णयों को समझकर उनसे सीखता है, तब वही अनुभव आगे की राह को बेहतर बना सकता है।

शांति बाहर नहीं, भीतर मिलती है: सुख पाने के लिए हम अक्सर बाहर की चीजों पर निर्भर हो जाते हैं। पैसा बढ़ जाए, पद मिल जाए, घर बड़ा हो जाए, लोग प्रशंसा करने लगें तो लगता है कि अब जीवन खुशहाल हो जाएगा। लेकिन बाहरी उपलब्धियां सुविधा दे सकती हैं, स्थायी शांति नहीं। शांति मन की अवस्था है। इसके लिए हर दिन कुछ समय अपने भीतर झांकना जरूरी है। अपने विचारों को देखिए, अपनी प्रतिक्रियाओं को समझिए और खुद से पूछिए कि वास्तव में जीवन में क्या महत्वपूर्ण है। जब मन अनावश्यक तुलना और शिकायत से मुक्त होने लगता है, तब छोटी-छोटी चीजों में भी आनंद दिखाई देने लगता है। जीवन को बदलने का सबसे सरल रास्ता है–अपने विचारों को बदलना, अपनी प्रतिक्रियाओं को बदलना और अपनी अपेक्षाओं को संतुलित करना। दुनिया वैसी नहीं होगी जैसी हम चाहते हैं, लेकिन दुनिया को देखने का हमारा तरीका जरूर बदल सकता है। और जब देखने का तरीका बदलता है, तो वही जीवन नया दिखाई देने लगता है। असली परिवर्तन बाहर की परिस्थितियों में नहीं, उस व्यक्ति के भीतर होता है जो उन परिस्थितियों को देख रहा है।

टेक्नो अपडेट

आ गई Bluetooth से आगे की तकनीक, लो एनर्जी से कम खर्च होगी बैटरी

ब्लूटूथ एक ऐसी तकनीक है, जो स्मार्टफोन्स से पहले से हमारे साथ है। एक समय पर फाइल्स को वायरलेस तरीके से शेयर करने के लिए काम आने वाली ये तकनीक आज ज्यादातर वायरलेस इयरफोन पर गाने सुनने या स्मार्टवॉच जैसे डिवाइसेज को कनेक्ट करने के काम आती है। हालांकि अगर ब्लूटूथ लगातार इस्तेमाल में रहे, तो इसकी वजह से फोन की बैटरी भी तेजी से खत्म होती है। ऐसे में ब्लूटूथ से आगे की तकनीक यानी कि ब्लूटूथ लो एनर्जी आ चुकी है।

जैसा कि नाम से समझ में आता है इस खास तकनीक की वजह से ब्लूटूथ फोन की बैटरी ज्यादा नहीं खा पाता। इसकी मदद से फिटनेट ट्रैकर जैसे डिवाइसेज के साथ-साथ ऑडियो स्ट्रीमिंग का भी पूरा मजा लिया जा सकता है। दरअसल एक साधारण ब्लूटूथ कनेक्शन 2.4 GH5 फ्रीक्वेंसी रेंज और UHF यानी कि अल्ट्रा हाई फ्रीक्वेंसी रेडियो तरंगों पर काम करता है और लगातार एक्टिव रहता है। वहीं Bluetooth LE शॉर्ट बर्स्ट यानी कि कम दूरी पर काम करता है। यह डेटा भेजते समय एक्टिव होता है और बाकी समय स्लीप मोड में रहता है।

इसकी वजह से किसी भी डिवाइस की बैटरी पर काफी लोड कम हो जाता है।

शुरुआत में Bluetooth LE ऑडियो स्ट्रीमिंग को सपोर्ट नहीं करता था क्योंकि नॉर्मल ब्लूटूथ की तरह यह लगातार डेटा ट्रांसफर करने के लिए नहीं बना था। हालांकि साल 2020 में ब्लूटूथ स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप ने LE Audio का ऐलान किया और LCx कोडेक पेश किया। 2022 में इसके खास स्पेसिफिकेशन तय हुए और इन्हें एंड्रॉयड 13 से लेकर एंड्रॉयड 16 तक के इकोसिस्टम में शामिल किया गया। इसकी मदद से आज के एडवांस फोन और लैपटॉप बिना ज्यादा बैटरी खर्च किए ऑडियो भी स्ट्रीम कर पाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2027 में ब्लूटूथ तकनीक में सबसे बड़ा अपग्रेड यानी कि HDT के जरिए देखने को मिलेगा।

इसकी मदद से कॉन्सर्ट या एयरपोर्ट जैसे भीड़भाड़ वाली जगहों पर Auracast ब्रॉडकास्टिंग के जरिए वायरलेस इयरबड्स और हियरिंग एड्स बिना किसी थर्ड पार्टी ऐप के सीधे पब्लिक ऑडियो स्ट्रीम से कनेक्ट हो सकेंगे।

दिया कबीरा रोय

अब कोरा मुहावरा नहीं रहा थूककर चाटना...

घनश्याम मैथिल 'अमृत'
साहित्यकार

जी हां भाई साहब, थूककर चाटना भी एक कला है। भले भारतीय परंपरा में चौंसठ प्रकार की कलाएं मानी गई हों, तो यह हमारे ज्ञानी पुरोधाओं की गलती है कि उन्होंने इतनी महत्वपूर्ण विधा को कला के रूप में गिनने से कैसे चूक कर दी। अब भूल-चूक लेनी-देनी तो हमारे यहां व्यापार का पुराना सर्वमान्य नियम है। सो, जब जागो तभी सबेरा और हम और हमारा समाज सहज भाव से थूककर चाटने को आज पैसठवीं कला के रूप में सहर्ष मान्यता देने के।

अब थूककर चाटना कोई कोरा मुहावरा नहीं रह गया है। यदि अब थूककर चाटने का सहज अर्थ किसी से पूछें तो वह कहेगा, अपनी बात से पलट जाना या कही हुई बात पर कायम नहीं रहना। तो इसका अर्थ समय के साथ बदल गया है, क्योंकि यह दुनिया परिवर्तनशील है। वक्त और जरूरत के साथ शब्दों और चीजों के अर्थ भी बदलते रहते हैं। जैसे पिता के पिता कभी दादा कहलाते थे, फिर 'दादा' गुंडे कहलाने लगे और यही हाल भाई और गुरु जैसे अनेक शब्दों का है।

अब थूककर चाटना शर्म का नहीं, गर्व का विषय है। बस बात अवसर को पहचानने की है। जब लोग आपदा में अवसर देखते हैं तो हम क्या थूककर चाटने में भी अवसर ना देखें। और फिर हमारा थूक हम चाहे जो करें, उसे चाटें या न चाटें, दूसरों को इसमें दखलंदाजी का अधिकार किसने दिया। फिर हम स्वतंत्र देश के स्वतंत्र नागरिक हैं। जैसे यहां-वहां, चाहें जहां थूकने का अधिकार है, तो फिर थूककर चाटने का हक क्यों नहीं?

मैं तो थूककर चाटने वाले मित्रों से कहता हूं, वे जब भी जरूरत हो गर्व के साथ, पूरे आत्मविश्वास से थूककर चाटें। मेरा थूक, मेरी मर्जी। उसका मैं चाहे जो करूं, उसे फेंकू, समेटूं या चाटूं। अब जो थूककर चाटने को बुरा मानते हैं या इसे अपने सिद्धांतों के विरुद्ध मानते हैं, वे या तो भोले हैं या निरे बुद्धु अथवा जड़ मूरख।

अरे भैया, रुका हुआ पानी भी सड़ जाता है। धारा के साथ बहो और आगे बढ़ो। अगर सिद्धांत और पुराने नियम पकड़े रहे तो फिर पड़े-पड़े सड़ो। अब मेरी बात पत्थर की लकीर कहने वाले लोग, ज़माने और दिन हवा हुए। अब थूककर चाटना यदि स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है तो फिर घाटे का सौदा कौन नालायक करेगा? थूककर चाटने का अपना सुख है। आपने देखा नहीं, जानवर कैसे अपने थूक से चाट-चाटकर अपने ज़ख्मों को ठीककर लेते हैं। और वैसे भी चाटना एक सुखकारी अहसास है। इससे ही तो चटोरा शब्द बना है। अब जो चाटे दो जाने, यह तो गूंगे का गुड़ है। इसे व्यक्त नहीं, केवल अनुभव ही किया जा सकता है। अब आपने 'स्वमूत्र' सेवन संजीवनी का नाम तो सुना ही होगा और आम लोग क्या, हमारे देश के एक पूर्व प्रधानमंत्री भी इस चिकित्सा पद्धति के समर्थक थे। अब थूक या लार में कितने किस्म के लाभदायक एंजाइम होते हैं, वह कितने रोगों की दवा होता है, अब यह भी भला कोई किसी को कहने की या समझाने की बात है। वैसे भी हमारे मुंह में दिनभर लार भरी ही रहती हैं, जिसे हम पल-पल गटकते रहते हैं। फिर इसी लार या थूक को थूककर चाटने में कौन सा अपराध है? जैसे थूकना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, वैसे ही थूककर चाटना भी हमारा पहला अधिकार है। थूककर चाटने की महान कला या परम्परा को लोगों ने नाहक ही बदनाम कर रखा है।

हालांकि थूककर चाटना कोई एकदम आज के युग की कोई नई या अजूबी घटना नहीं है। लोग हर युग में थूककर चाटते रहे हैं। हां, कुछ मुट्ठीभर लोगों ने हमेशा थूककर चाटने की घटना का विरोध किया है, जिनमें थूककर चाटने का साहस नहीं था। जो थूक कर आगे बढ़ जाने और और अपने थुके हुए से ही घिन करने वाले, चिढ़ने वालों का कभी भला नहीं हुआ।

इसलिए दोस्तों, थूककर चाटने वालों की गैंग का हिस्सा बनिये। ऐसे लोगों को धिक्कारिए नहीं, बल्कि उन्हें पुचकारिए। थूककर चाटना केवल कला ही नहीं, एक विज्ञान भी है और जहां कला और विज्ञान का संगम हो, वहां प्रगति और विकास के मार्ग तो खुलने ही खुलने हैं। इसलिए मित्रों, समय के साथ खुद में यदि नहीं बदले हैं तो बदलाव आज इसी घड़ी कीजिए।

आपके अपने थूक की इज़्ज़त आप स्वयं नहीं करेंगे तो कौन करेगा? आज का समय कहता है, अपना काम बनता, भाड़ में जनता। यानी अपने लक्ष्य, अपने अभीष्ट के लिए हम अपना क्या, किसी दूसरे का थूक भी चाटने को तैयार रहें। अब जो लोग इस तरक्की की दौड़ में दौड़ना ही नहीं चाहते, जिनके लिए समाज, देश और दुनिया की भलाई ही सबकुछ है, तो वे डटे रहे अपने सिद्धांतों पर। हम तो चले अपने थूक कर चाटने के मिशन पर, अपनी कला को जन-जन तक पहुंचाने को। अगर अकल में कुछ बात आई हो तो अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है। स्वागत है आपका।

न्यूज विंडो

सेवा संकल्प अभियान के तहत बम्होरी पांजी स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता

तेंदूखेड़ा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर से करीब दो किलोमीटर दूर स्थित पीएम श्री एकीकृत माध्यमिक शाला बम्होरी पांजी में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विभिन्न विषयों पर आकर्षक चित्र बनाए। विद्यार्थियों ने रंगों के माध्यम से अपनी कल्पनाओं और भावनाओं को कागज पर उकेरते हुए रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों द्वारा तैयार किए गए चित्रों में उनकी कल्पनाशीलता और कलात्मक क्षमता देखने को मिली। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। शिक्षकों ने कहा कि पढ़ाई के साथ इस तरह की रचनात्मक गतिविधियां बच्चों की प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इससे विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाओं को अभिव्यक्त करने और नई चीजें सीखने का अवसर मिलता है।

बाराघाट पुल के नीचे थैले में मिला मानव हाथ का पंजा, जांच में जुटी पुलिस

तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र के पिंडरई-पाजी मार्ग पर बाराघाट पुल के नीचे शुक्रवार शाम करीब 5:30 बजे थैले में मानव हाथ का पंजा मिलने से सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने थैले को देखा तो उसमें मानव पंजा नजर आया। सूचना पर तेंदूखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर पंजे को कब्जे में लिया। शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में पंजे का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। इसके बाद उसे फॉरेंसिक जांच के लिए सागर भेजा गया है। मुख्य खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक बरौनियां ने बताया कि बरामद पंजा किसी व्यक्ति के दाहिने हाथ का है। एसडीओपी अर्चना अहीर ने बताया कि मानव हाथ का पंजा मिला है और पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि पंजा यहां कैसे पहुंचा और यह किस व्यक्ति का है। मामले में विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है।

पिंडरई-पाजी के बीच बरामद हुआ दाहिने हाथ का पंजा, फॉरेंसिक जांच के लिए सागर भेजा

सड़क की बदहाली पर सिंधिया से नोकझोंक 'वोट नहीं देंगे' पर गरमाया माहौल

गुना। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के गुना दौरे के दौरान गुलाबगंज क्षेत्र की खराब सड़क का मुद्दा सामने आया। नागरिकों ने सिंधिया से मुलाकात कर सड़क की स्थिति सुधारने की मांग को लेकर आवेदन सौंपा। इस दौरान कुछ लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि समस्या दूर नहीं हुई तो आगामी चुनाव में वोट नहीं देंगे। इस पर सिंधिया ने कहा, 'यह भाषा मेरे साथ कभी उपयोग मत करना।' इसके बाद कुछ देर बातचीत का माहौल गरम रहा। हालांकि बाद में चर्चा सड़क की समस्या के समाधान पर केंद्रित हो गई। इस घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने की बात सामने आई है।

नरसिंह की गोद में विराजे गणेश जी...

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम के बालागंज छात्रावास के सामने बट्टूलाल गली स्थित मंदिर प्रांगण में बटुकेश्वर महादेव गणेश उत्सव समिति ने भगवान नरसिंह की गोद में गणेश प्रतिमा स्थापित की है। समिति के भानू, हर्ष, सत्यम, नीरज, राहुल, नैतिक, अथर्व और उत्कर्ष ने बताया कि समिति करीब 10 वर्षों से गणेश प्रतिमा स्थापित कर रही है। इस बार भी 10 दिवसीय गणेशोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन किए जा रहे हैं।

नपाध्यक्ष नीतू यादव ने किया अपेक्स बैंक अध्यक्ष का आत्मीय स्वागत

नर्मदापुरम। नगरपालिका कार्यालय में शुक्रवार को अपेक्स बैंक के अध्यक्ष एवं सेवा संकल्प अभियान के प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह यादव के पहुंचने पर नपाध्यक्ष नीतू यादव ने पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर नपा में विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। महेंद्र सिंह यादव ने नगरपालिका में आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली। साथ ही नगर में किए गए विकास कार्यों को लेकर नपाध्यक्ष से चर्चा की। नीतू यादव ने स्वागत के बाद विगत वर्षों में नगरपालिका द्वारा कराए गए विकास कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी। इस दौरान सेवा संकल्प अभियान से जुड़ी गतिविधियों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

पहले आवेदन हुआ था निरस्त, 16 दिन बाद आगे बढ़ी प्रक्रिया; जांच की मांग

रिकॉर्ड में लोधी, दस्तावेजों में रैकवार... फिर फौती नामांतरण कैसे हो गया?

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तहसील तेंदूखेड़ा के मंडल तेजगढ़ अंतर्गत ग्राम पंडरिया सिंगौरगढ़ मौजे में फौती नामांतरण की प्रक्रिया राजस्व अभिलेखों में दर्ज प्रविष्टियों के अंतर को लेकर सवालों के घेरे में है। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार, फौती नामांतरण के लिए 11 अक्टूबर 2025 को लोकसेवा केंद्र में आवेदन क्रमांक आरएस/ 428/ 0760/ 9672/ 2025 के तहत आवेदन किया गया था।

आवेदन के साथ संलग्न खसरा और बी-1 की नकल में संबंधित व्यक्ति की जाति लोधी दर्ज बताई गई, जबकि आधार कार्ड, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र सहित अन्य दस्तावेजों में जाति रैकवार दर्ज थी। इस अंतर के चलते आवेदन पूर्व में खारिज कर दिया गया था। आवेदक को पहले राजस्व अभिलेख दुरुस्त कराने के बाद फौती नामांतरण कराने की जानकारी दी गई थी। इसके बावजूद करीब 16 दिन बाद इसी मामले में फौती नामांतरण की कार्रवाई आगे बढ़ने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। खसरा नंबर 3 में नाम उमराई और नंबर 4 में उमराव दर्ज होने का भी दावा है। वहीं, राजस्व रिकॉर्ड में जाति संबंधी प्रविष्टि में पटवारी आईडी के माध्यम से बदलाव किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। मामले की स्थिति पुराने व वर्तमान खसरा, बी-1,

संशोधन विवरण, आवेदन, मृत्यु प्रमाण पत्र, पटवारी प्रतिवेदन और नामांतरण आदेश की जांच से स्पष्ट हो सकती है। वहीं, इस मामले में तेंदूखेड़ा एसडीएम सीजी गोस्वामी ने कहा कि फौती मृत्यु प्रमाण पत्र के बिना दर्ज नहीं हो सकती। यदि ऐसा हुआ है तो आदेश की प्रति मिलने पर जांच की जाएगी कि यह कैसे और किसके द्वारा किया गया।

पहले खारिज हुआ आवेदन, फिर आगे बढ़ी प्रक्रिया

फौती नामांतरण के आवेदन के साथ लगाए गए दस्तावेजों में जाति की प्रविष्टियों का अंतर सामने आया था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार खसरा और बी-1 में संबंधित व्यक्ति की जाति लोधी, जबकि आधार कार्ड, मृत्यु प्रमाण पत्र और शपथ पत्र सहित अन्य दस्तावेजों में रैकवार दर्ज थी। इसी विसंगति के आधार पर पूर्व में आवेदन खारिज कर दिया गया था। आवेदक को राजस्व अभिलेख में दर्ज जाति संबंधी प्रविष्टि दुरुस्त कराने के बाद नामांतरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की बात कही गई थी। अब सवाल यह है कि करीब 16 दिन बाद इसी मामले में प्रक्रिया किस आधार पर आगे बढ़ी। यदि रिकॉर्ड में कोई संशोधन किया गया तो उसके आदेश और सक्षम अधिकारी की अनुमति की जानकारी भी जांच का विषय है।

खसरा 3, 4 में अलग-अलग नाम, रिकॉर्ड संशोधन पर सवाल

मामले में केवल जाति संबंधी प्रविष्टियों का अंतर ही नहीं, बल्कि नाम के रिकॉर्ड को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार खसरा नंबर 3 में नाम उमराई, जबकि खसरा नंबर 4 में उमराव दर्ज बताया गया है। दोनों प्रविष्टियों में अंतर के बावजूद फौती नामांतरण की कार्रवाई आगे बढ़ने को लेकर प्रक्रिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इसके अलावा आरोप है कि राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज जाति संबंधी प्रविष्टि को पटवारी आईडी के माध्यम से बदलकर विलोपित किया गया। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुराने और वर्तमान रिकॉर्ड, संशोधन का विवरण तथा नामांतरण आदेश की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

झलोन में मनाया बलिदान दिवस

राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह का बलिदान भुलाया नहीं जा सकता : पोरते

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ग्राम झलोन में जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) के तत्वावधान में गोंडवाना शासन के वीर योद्धा राजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों और उपस्थित लोगों ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर की।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर योद्धाओं की गौरवगाथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके संघर्ष और बलिदान के कारण आज समाज स्वतंत्र रूप से अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रहा है। जयस के प्रदेश संगठन मंत्री श्रीकांत सिंह पोरते ने कहा कि राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि युवाओं को उनके गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर उनके बताए मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर गिरधारी सिंह परस्ते, वसंत सोयाम, रविंद्र पन्दाम, राहुल पोर्ते, डेलन धुर्वे, रमेश परस्ते, गणेश धुर्वे, लखन मरकाम, सूरज मरावी सहित बड़ी संख्या में जयस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मानव श्रृंखला बनाकर विद्यार्थियों ने लोगों को दिया स्वच्छता का संदेश

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर के सेंट एस.आर.एस. पब्लिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में 'स्वच्छता ही सेवा' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। नगर पालिका परिषद के पूर्व स्वास्थ्य अधिकारी आरके नेमा ने कहा कि स्वच्छ वातावरण से ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। गंदगी से बीमारियां फैलती हैं, जिससे तन, मन और धन तीनों प्रभावित होते हैं। उन्होंने बताया कि नगर में प्रतिदिन करीब 10 टन कचरा एकत्रित हो रहा है, जबकि पूरा कचरा एकत्रित होने पर यह मात्रा करीब 25 टन तक पहुंच सकती है। एकत्रित कचरे से खाद भी तैयार की जा रही है। संस्था डायरेक्टर केएस यादव ने विद्यार्थियों से गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने की अपील की।

राधा अष्टमी पर शिव-पार्वती की भक्ति में रंगा पंचवटी धाम

तेंदूखेड़ा। नगर के प्रसिद्ध पंचवटी धाम में राधा अष्टमी पर धार्मिक आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ हुआ। मंदिर में माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर उन्हें मेहंदी चढ़ाई गई। इसके बाद महिलाओं ने माता को अर्पित मेहंदी अपने हाथों में लगाकर परंपरा निभाई। आयोजन में महिलाओं का खासा उत्साह नजर आया। मेहंदी कार्यक्रम के बाद भजन-कीर्तन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्तिगीतों के साथ सहभागिता की। इस दौरान भगवान शिव का आकर्षक श्रृंगार कर उन्हें गणेश स्वरूप प्रदान किया गया, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहा।

दमोह-जबलपुर मार्ग पर पेड़ गिरा तो आधे घंटे थमे वाहनों के पहिए

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दमोह-जबलपुर मार्ग पर हर्रई-सिंगौरगढ़ और कंसा पुल के बीच संजय निकुंज के पास शनिवार सुबह खतरनाक स्थिति में झुके बबूल के पेड़ को काटने के दौरान करीब आधे घंटे तक जाम जैसे हालात बन गए।

पेड़ की चपेट में आने की आशंका को देखते हुए तेजगढ़ वन परिक्षेत्र अधिकारी अखिलेश चौरसिया के निर्देशन में वन अमला सुबह करीब 8 बजे मौके पर पहुंचा था। कटाई के दौरान पेड़ का एक हिस्सा सड़क पर गिर गया, जिससे मार्ग बाधित हो गया। दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। इस दौरान 108 एंबुलेंस सहित यात्री बसें और अन्य वाहन फंस गए। बसों के करीब 15 से 30 मिनट तक प्रभावित होने से यात्रियों को भी परेशानी हुई। वन अमले ने पेड़ को सड़क से हटाकर मार्ग को सुरक्षित कराया।

दफ्तर खाली, सड़कें बेहाल... आखिर कहां हैं पीडब्ल्यूडी के जिम्मेदार?

ओबेदुल्लागंज में कार्यालयीन व्यवस्था पर उठे सवाल

ओबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

लोक निर्माण विभाग के अनुभाग कार्यालय में दोपहर के समय सन्नाटा पसरे रहने और अधिकारी-कर्मचारियों की कथित गैरमौजूदगी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कार्यालय की जिम्मेदारी सड़कों की मरम्मत और शासकीय भवनों के रखरखाव की है, लेकिन उपलब्ध तस्वीरों में कार्यालय खाली नजर आने का दावा किया गया है।

सूत्रों के अनुसार कार्यालय में करीब 22 कर्मचारी पदस्थ हैं, जिनमें स्थायी और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा दो सब इंजीनियर और एक एसडीओ भी पदस्थ बताए गए हैं। आरोप है कि अधिकांश समय कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारियों की मौजूदगी नहीं रहती। अधिकारियों से फोन पर संपर्क करने पर हर बार 'फील्ड में हैं' जवाब मिलने की बात कही जा रही है। बरसात के दौरान भी कार्यालय में नियमित गतिविधियां नजर नहीं आने का दावा है। आरोपों के बीच सवाल यह है कि यदि अधिकारी-कर्मचारी फील्ड में हैं तो कार्यालयीन कामकाज किस तरह संचालित हो रहा है। अब तस्वीरों और शिकायतों के आधार पर विभागीय स्तर पर जांच और कार्रवाई की मांग उठ रही है।

16 मांगों को लेकर पंचायत सचिवों ने खोला मोर्चा मांगें नहीं मानीं तो होगी अनिश्चितकालीन हड़ताल

सीईओ के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

ओबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश पंचायत सचिव संगठन ने लंबित 16 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर जनपद पंचायत सीईओ के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन ने शासन को चेतावनी दी है कि पूर्व में की गई घोषणाओं और न्यायोचित मांगों पर समय रहते आदेश जारी नहीं हुए तो पंचायत सचिव चरणबद्ध आंदोलन के बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए मजबूर होंगे।

संगठन की प्रमुख मांगों में पंचायत सचिव संवर्ग का पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में संविलियन कर सेवा सुरक्षा और भविष्य निधि सुनिश्चित करना शामिल है। इसके साथ 3 अगस्त 2023 को भोपाल में आयोजित पंचायत सचिव सम्मेलन में की गई घोषणाओं को लागू करने के लिए तत्काल शासनादेश जारी करने की मांग की गई। पंचायत सचिवों ने

स्वामित्व योजना, फार्मर रजिस्ट्री, ई-केवाईसी सहित अन्य गैर-पंचायत कार्यों से मुक्त करने की मांग भी रखी। पंचायत समन्वयक अधिकारी पद पर सचिवों के अनुभव और सेवा अवधि के आधार पर 50 प्रतिशत विभागीय पदोन्नति कोटा लागू करने की मांग की गई है। इसके अलावा प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवाकाल की गणना कर पुरानी पेंशन, समयमान वेतनमान का एरियर्स, 300 दिन के अर्जित अवकाश का नकदीकरण, कैशलेस स्वास्थ्य बीमा, ग्रेच्युटी तथा अनुकंपा नियुक्ति नियमों में शिथिलीकरण की मांग भी शामिल है। संगठन का कहना है कि पंचायत सचिव ग्रामीण स्तर पर शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का लंबे समय से समाधान नहीं हुआ है। ज्ञापन के दौरान संगठन पदाधिकारी और बड़ी संख्या में पंचायत सचिव मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर तेंदूखेड़ा की सड़कों पर स्ट्रीट डॉग का जमावड़ा, बाइक सवारों के पीछे दौड़ने से बच्चों और बुजुर्गों की भी बढ़ी परेशानी

कुत्तों का झुंड देख बढ़ा देते हैं रफ्तार, हादसे का बढ़ रहा खतरा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर की सड़कों और गली-मोहल्लों में बढ़ती स्ट्रीट डॉग की संख्या लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। सुबह के समय कई जगह कुत्ते झुंड बनाकर सड़कों पर बैठे नजर आते हैं। दोपहिया वाहन चालक जैसे ही इनके पास से गुजरते हैं, कई बार कुत्ते भौंकते हुए बाइक के पीछे दौड़ने लगते हैं। इससे घबराए चालक बचने के लिए रफ्तार बढ़ा देते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

मुख्य मार्गों के साथ कॉलोनियों और मोहल्लों में भी यही स्थिति बताई जा रही है। कुत्तों के अचानक सड़क पर आने से बाइक सवारों का संतुलन बिगड़ने तथा अचानक ब्रेक लगाने या दिशा बदलने से दूसरे वाहनों से टक्कर का खतरा रहता है। सुबह टहलने वाले बुजुर्गों और स्कूल जाने वाले बच्चों को भी परेशानी हो रही है। अभिभावक बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। नागरिकों ने नगर परिषद से समस्या वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर नियमित नसबंदी और टीकाकरण अभियान चलाने की मांग की है। साथ ही आक्रामक कुत्तों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग उठाई है।

बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर चिंता

स्ट्रीट डॉग के झुंड केवल वाहन चालकों के लिए ही नहीं, बल्कि बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी परेशानी का कारण बने हुए हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों को लेकर अभिभावक चिंतित हैं, वहीं सुबह पैदल निकलने वाले बुजुर्गों के पीछे कुत्तों के दौड़ने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। नागरिकों ने नगर परिषद से नियमित नसबंदी और टीकाकरण अभियान चलाने की मांग की है। इसके साथ ही आक्रामक कुत्तों की पहचान कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की गई है। लोगों का कहना है कि शिकायत के बाद कार्रवाई के बजाय समस्या वाले क्षेत्रों में नियमित अभियान चलाया जाना चाहिए। सुबह के समय बाइक सवारों को स्ट्रीट डॉग के झुंड से सबसे ज्यादा परेशानी होने की बात सामने आ रही है। सड़क किनारे बैठे कुत्ते बाइक आते ही भौंकते हुए पीछे दौड़ने लगते हैं। अचानक कुत्तों के सड़क पर आने से चालक घबरा जाते हैं और बचने के प्रयास में तेज रफ्तार कर देते हैं।

सागर-गढ़ाकोटा मार्ग पर हादसा, 3 ने मौके पर दम तोड़ा, एक ने इलाज के दौरान

पेट्रोल पंप से निकली कार को चार्टर्ड बस ने मारी जोरदार टक्कर, चार की हुई मौत

सागर। दोपहर मेट्रो

बहेरिया थाना क्षेत्र के सागर-गढ़ाकोटा मार्ग पर चनाटोरिया के पास शनिवार को चार्टर्ड बस और कार की भीषण भिड़ंत में चार लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब पेट्रोल पंप से ईंधन भरवाकर कार मुख्य मार्ग पर आ रही थी। इसी दौरान जबलपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार चार्टर्ड बस ने कार को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। वहीं बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खंती में जा उतरी। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। एक अन्य गंभीर घायल का मकरोनिया के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। मृतकों में प्रशांत जैन (46), निवासी बंडा, निर्मल उर्फ मुन्ना जैन कोयला (62), निवासी रामपुरा वार्ड सागर और विकास (43), पिता जगदीश कुमार, हरियाणा निवासी बताए गए हैं। कार हरियाणा पासिंग की थी। सूचना पर बहेरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बस चालक हादसे के बाद फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

बस चालक फरार, मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे

दुर्घटना की सूचना मिलते ही बहेरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव के बाद जांच शुरू की। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद चार्टर्ड बस का चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस दुर्घटना के कारणों और घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है। कार हरियाणा पासिंग की बताई गई है। हादसे में घायल एक व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका मकरोनिया स्थित निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस द्वारा प्रत्यक्षदर्शियों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

खंती में जा उतरी बस, कार के उड़े परखच्चे

चनाटोरिया के पास हुए हादसे में चार्टर्ड बस की टक्कर से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार कार पेट्रोल पंप से ईंधन भरवाकर मुख्य मार्ग पर आ रही थी, तभी जबलपुर की ओर से आ रही बस ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बस भी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खंती में उतर गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राहगीरों और पुलिस की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है।

नाबालिग का अपहरण और दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

पुलिस चौकी निसरपुर की टीम ने नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में कार्रवाई करते हुए घटना के 72 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामले में पॉक्सो एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं के तहत दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार मामले के अनुसार, 16 सितंबर को पीड़िता ने थाना कुक्षी पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 13 सितंबर को आरोपी राजा धनगर ने अपने दोस्त विनय उर्फ विकेन धनगर के साथ उसकी मोटर साइकिल पर अपहरण कर लिया। आरोपी उसे बड़वानी के तलुन ले गया, जहां उसकी मर्जी के बिना जबरन शारीरिक संबंध बनाए और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी उसे तलुन से कसरावद पुल पर छोड़कर फरार हो गए। पीड़िता ने अपने माता-पिता को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद थाने में मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर और एसडीओपी कुक्षी सुनिल गुप्ता के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी कुक्षी दीपकसिंह चौहान के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। चौकी प्रभारी निसरपुर उनि जयपाल बिल्लौरे और उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना, तकनीकी साक्ष्यों और साइबर सेल धार की मदद से मुख्य आरोपी राजा पिता गंगाराम धनगर निवासी-ग्राम छोटी कसरा थाना कोतवाली बड़वानी को उसके गृहग्राम छोटी कसरावद से घेराबंदी कर धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी द्वारा जुर्म स्वीकार करने पर उसे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय कुक्षी के समक्ष पेश कर दिया गया है। उक्त कार्रवाई में कुक्षी थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान, निसरपुर चौकी प्रभारी जयपाल बिल्लौरे, भुवान सिंह चौहान, किशोर उपाध्याय, आरक्षक थानसिंह, सुभाष, रविन्द्र, गौरव, किशन का सरहानीय योगदान रहा।

न्यूज विंडो

दीयों की रोशनी से जगमगाया एमआईएमटी कॉलेज, सेवा संकल्प का हुआ शुभारंभ

नरसिंहपुर। एमआईएमटी कॉलेज नरसिंहपुर में मध्यप्रदेश शासन और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार सेवा संकल्प अभियान के तहत दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग के मुख्य आतिथ्य और मेजर डॉ. पराग नेमा की अध्यक्षता में हुआ। प्राचार्य डॉ. गर्ग ने विकसित भारत-2047 की संकल्पना पर विचार रखे, जबकि मेजर डॉ. नेमा ने अभियान की उपयोगिता और कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। इसके बाद स्टाफ और छात्र-छात्राओं ने कॉलेज परिसर में दीप प्रज्ज्वलित कर सेवा संकल्प अभियान-2026 का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में रासेयो पदाधिकारी, एनसीसी-एनएसएस कैडेट्स और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। 19 सितंबर को विकसित भारत-2047 विषय पर निबंध, भाषण और चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

34 वर्षों की पत्रकारिता सेवा के लिए वरिष्ठ पत्रकार नीलेश जाट का सम्मान

नरसिंहपुर। सनातन पुजारी महासभा के आशीर्वाद अभियान के अंतर्गत राधा-कृष्ण मंदिर में वरिष्ठ पत्रकार नीलेश जाट का सम्मान किया गया। महासभा के संरक्षक एवं मार्गदर्शक पंडित बलराम आचार्य ने उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर एवं तिलक लगाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि नीलेश जाट ने 34 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए जिले में उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्हें एक अच्छे संयोजक के रूप में भी सराहनीय योगदान के लिए जाना जाता है। धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में उनकी सक्रियता की भी प्रशंसा की गई। कार्यक्रम में महासभा अध्यक्ष विपिन चंद दुबे, महाकाल दास, जिला प्रचारक पंडित सुधीर दुबे, जिला संयोजक पंडित लक्ष्मण वैष्णव सहित अन्य आचार्यगण मौजूद रहे।

रेस्क्यू टीम ने तीन लोगों को बचाया

सतना में पन्नी कारोबारी के तीन मंजिला मकान में लगी आग

सतना। दोपहर मेट्रो

सतना नगर निगम क्षेत्र के कामता टोला में दोपहर पन्नी कारोबारी के तीन मंजिला मकान की ऊपरी मंजिल में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मकान से तेज लपटों के साथ धुएं का गुबार उठने लगा। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और नगर निगम की टीमें तीन दमकल वाहनों के साथ मौके पर पहुंचीं। आग तेजी से फैलने के कारण मकान की दूसरी मंजिल पर काम करने वाले अनिल कुशवाहा और दो महिलाएं फंस गईं। सुरक्षा टीम ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और तीनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। एहतियात के तौर पर उन्हें अस्पताल भी पहुंचाया गया।

खलघाट-मनावर रोड से चोरी हुए थे पाइप, एक आरोपी की तलाश जारी

जल जीवन मिशन के 48 पाइप चोरी का खुलासा, आयशर-हाइड्रा समेत दो धराए

धार। दोपहर मेट्रो

धरमपुरी पुलिस ने जल जीवन मिशन के तहत बिछाए जाने वाले पाइपों की चोरी का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल आयशर वाहन और हाइड्रा क्रेन जब्त की है। मामले में एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार 17 सितंबर को डब्ल्यू.पी.आई.एल. कंपनी के सुपरवाइजर कड़वासिंह राजपूत ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि खलघाट-मनावर रोड स्थित पिपलदागढ़ी मार्ग किनारे जल जीवन मिशन के लिए रश्मि मेटालिक कंपनी के डीआई के-9, 250 एमएम पाइप रखे थे। मौके पर जांच के दौरान सफेद आयशर वाहन में सात पाइप लोड मिले, जबकि मिलान करने पर कुल 48 पाइप गायब पाए गए। जांच के दौरान आयशर चालक सादाब खान निवासी पुनर्वास धरमपुरी और हाइड्रा क्रेन चालक सुखलाल निवासी तिररानिया, खरगोन की संलिप्तता सामने आई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से आयशर वाहन क्रमांक आरजे-25-जीए-6958 और हाइड्रा क्रेन क्रमांक एमपी-11-जेडई-0972 जब्त की गई। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन और थाना प्रभारी निरीक्षक सरदारसिंह सोलंकी के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है। मामले में अन्य आरोपी की तलाश जारी है। कार्रवाई में उपनिरीक्षक रवि वास्के सहित पुलिसकर्मियों की भूमिका रही।

कोर्ट ने हटाई 40 साल पुरानी रोक, फिर भी रंग महल मंदिर में पूजा पर क्यों सवाल?

अमरकंटक के प्राचीन मंदिरों में पूजा-अर्चना के अधिकार को लेकर फिर उठी आवाज, आदेश के पालन और पुरातत्व विभाग की भूमिका पर सवाल

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

विगत लगभग 40 वर्षों से पूजा से वंचित हिंदुओं की आस्था का बड़ा केंद्र अमरकंटक स्थित प्राचीन रंग महल मंदिर में कोर्ट के आदेश के बाद विधि विधान से पूजा होना सुनिश्चित किया गया था, लेकिन ब्रम्हलीन शंकराचार्य स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती जी के बैकुंठ धाम गमन के उपरान्त कोर्ट के फैसले पर या तो अमल नहीं किया जा रहा है। मां नर्मदा मंदिर के सामने स्थित प्राचीन विष्णु, शिव और सत्यनारायण भगवान का मंदिर पूजा अर्चना से वंचित था, जिस पर ब्रम्हलीन स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती जी ने लड़ाई लड़ी और कोर्ट से विजय श्री प्राप्त की थी। उपरोक्त विषय वस्तु की वास्तविकता परम धर्म सांसद शहडोल श्रीधर शर्मा से चर्चा के दौरान स्पष्ट हुई। अनूपपुर जिले के पवित्र नगरी अमरकंटक में मां नर्मदा मंदिर के सामने प्राचीन कलचुरी कालीन रंगमहल मंदिर, जिसकी भव्यता सुंदरता देखने बनती है, जो कल्चुरी कालीन सैकडो साल का प्राचीन मंदिर है। यहां विष्णु, पातालेश्वर शिव, सतनारायण भगवान विराजे हैं और इन मंदिरों में पूजा - पाठ लगभग 40 सालों से बंद है। मंदिर परिसर को पुरातत्व विभाग ने अधिग्रहित कर लिया था और पूजा पाठ पर प्रतिबंध लगा दिया था। शंकराचार्य द्वारका शारदा पीठाधीश्वर स्वर्गीय स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी ने भारत सरकार पुरातत्व विभाग स्टेट गवर्नमेंट के खिलाफ पूजा पाठ की अनुमति की मांग को लेकर 7 साल पहले 2015 में अपर सत्र न्यायालय (पुष्पराजगढ़) राजेंद्रग्राम की अदालत में याचिका दर्ज करवाई थी। जिसकी जिरह शंकराचार्य जी के अधिवक्ता मुरलीधर शर्मा एवं श्रीधर शर्मा ने की थी।

विंध्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग के दस्तावेजों में डुप्लीकेट एंट्री

फैकल्टी रिकॉर्ड में गड़बड़ी का दावा, 8 नामों ने बढ़ाए सवाल

शहडोल। दोपहर मेट्रो

विंध्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग से जुड़े उपलब्ध रिकॉर्ड में आठ फैकल्टी के नाम और विवरण को लेकर सवाल उठ रहे हैं। दस्तावेजों में कुछ रिकॉर्ड डुप्लीकेट या संदिग्ध तरीके से दर्ज दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। वहीं कुछ शिक्षकों के नाम सरकारी रिकॉर्ड में एक से अधिक स्थानों पर कार्यरत दिखने की बात भी सामने आई है।

सरकारी रिकॉर्ड के मिलान की उठ रही मांग

मामले में सरकारी छात्रवृत्ति से जुड़े रिकॉर्ड की जांच की मांग भी उठ रही है। यदि विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिए जाने की अवधि में संबंधित फैकल्टी की नियुक्ति अथवा उपस्थिति के रिकॉर्ड में अंतर मिलता है, तो विभागीय स्तर पर दस्तावेजों का मिलान किया जाना जरूरी होगा। रिकॉर्ड में शिक्षकों के नाम के सामने दिखाई दे रही संदिग्ध एंट्री ने भी सवाल खड़े किए हैं। यदि कोई शिक्षक एक ही अवधि में अलग-अलग संस्थानों में कार्यरत दर्ज है तो उसकी वास्तविक नियुक्ति, उपस्थिति, वेतन भुगतान और शिक्षण कार्य की स्थिति स्पष्ट करने के लिए रिकॉर्ड की जांच आवश्यक होगी। नर्सिंग पाठ्यक्रम में पर्याप्त और वास्तविक फैकल्टी की उपलब्धता विद्यार्थियों की पढ़ाई और प्रशिक्षण से सीधे जुड़ी है। ऐसे में रिकॉर्ड की सत्यता की पुष्टि महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मेट्रो एंकर | मस्तकाभिषेक, शांतिधारा और शांतिविधान में उमड़ी श्रद्धा, रात में 'चंदनबाला' की भव्य धार्मिक नाटिका

बही धर्मगंगा... सुविधिनाथ भगवान का मनाया मोक्ष कल्याणक

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

'बड़े बाबा के दरबार में महोत्सव पुण्य का' के अंतर्गत श्री शांतिनाथ भगवान के पावन दरबार में दशलक्षण महापर्व के दौरान धार्मिक आयोजनों का सिलसिला जारी है। शनिवार को उत्तम शौच धर्म के अवसर पर बड़े बाबा का मस्तकाभिषेक, शांतिधारा और शांतिविधान श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। इसी अवसर पर भगवान सुविधिनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव भी मनाया गया।

सुबह से मंदिर परिसर मंत्रोच्चार, जिनेंद्र भक्ति और धार्मिक अनुष्ठानों से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने अभिषेक और शांतिधारा में शामिल होकर धर्मलाभ अर्जित किया। महापात्र-शांतिधारा का सौभाग्य ताराचंद जैन-अमित जैन खेरा परिवार, पवन जैन-पूजा जैन सारसबगली, पवन जैन सनाई वाला और राहुल जैन-ऋतु जैन खमरिया वाला परिवार को प्राप्त हुआ। सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य सुमेरचंद सिंघई एवं ऋषभ, अरिहंत, श्रेयांश और पारस सिंघई परिवार को मिला। इस दौरान 'एक मिनट प्रतियोगिता' भी हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साह से हिस्सा लिया। प्रथम पुरस्कार श्रेयांश जैन, वन परिक्षेत्र अधिकारी, तेंदूखेड़ा एवं समिति की ओर से प्रदान किया गया। रात्रि में 'चंदनबाला' की भव्य धार्मिक नाटिका का मंचन होगा। आयोजन में चंदनबाला के त्याग, संयम और धर्मनिष्ठा से जुड़े प्रेरक प्रसंग प्रस्तुत किए जाएंगे।

दिखेगी चंदनबाला की धर्मगाथा

दशलक्षण महापर्व के धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला में शनिवार रात 'चंदनबाला' की भव्य धार्मिक नाटिका का मंचन किया जाएगा। नाटिका में चंदनबाला के त्याग, संयम और धर्मनिष्ठा से जुड़े प्रेरक प्रसंगों को नाट्य रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। मंदिर परिसर में महापर्व के दौरान प्रतिदिन अभिषेक, पूजन, विधान और धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहे हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य श्रद्धालुओं में धर्म, संस्कार और भक्ति की भावना को बढ़ावा देना है। शनिवार को भी सुबह से मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान चलते रहे। मंत्रोच्चार और भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। रात्रिकालीन नाटिका श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी।

भगवान गणेश की भक्ति में डूबे श्रद्धालु

तेंदूखेड़ा। नगर में गणेश उत्सव श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। अंचल में जगह-जगह भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। घरों में भी श्रद्धालुओं ने गणेश प्रतिमा स्थापित कर सुबह-शाम आरती और पूजन का क्रम शुरू किया है। नगर के वार्ड क्रमांक 9 में भटरिया चाचा राजा श्रीगणेश की भव्य झांकी सजाई गई है। समिति द्वारा उत्साह के साथ गणेश उत्सव मनाया जा रहा है। सुबह और शाम बड़ी संख्या में श्रद्धालु पंडाल में पहुंचकर गणपति बप्पा की आरती करते हैं और विभिन्न पकवानों का भोग लगाते हैं।

टखने की चोट ने छीना एशियाई खेलों का मौका

नीरज चोपड़ा का छलका दर्द, बोले- मैदान से दूर रहना सच में कष्टदायक

नई दिल्ली, एजेंसी

नीरज चोपड़ा के लिए एशियाई खेलों की यादें बेहद खास रही हैं। 2018 जकार्ता और 2023 हांगझोऊ में स्वर्ण पदक जीत चुके नीरज इस बार भी भारत की बड़ी पदक उम्मीद थे। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान लगी टखने की चोट ने उनका पूरा कार्यक्रम बिगाड़ दिया। करीब एक महीने बाद नीरज ने इस दर्द को खुलकर बयां किया है।

एशियाई खेलों से दूर रहना नीरज के लिए मुश्किल – टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज ने सामाजिक मंच पर लिखा कि एशियाई खेलों ने उनके करियर को कुछ सबसे खास पल दिए हैं और इस बार भारत का प्रतिनिधित्व नहीं कर पाना उनके लिए बेहद मुश्किल है। उन्होंने नागोया पहुंची भारतीय टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह खिलाड़ियों के साथ चलना मिस करेंगे, लेकिन बाहर से उनका समर्थन करते रहेंगे। नीरज ने बताया कि वह स्नायुबंधन की चोट से जूझ रहे हैं। काफी सोच-विचार के बाद उन्हें एशियाई खेलों से हटने का फैसला करना पड़ा। उनका कहना है कि देश की उम्मीदों को लेकर मैदान पर उतरना सम्मान की बात है, लेकिन उस मौके से दूर रहना वास्तव में दर्द देता है।

चोटों से जूझ चुके हैं नीरज

नीरज के लिए चोटों से जूझने का यह पहला अनुभव नहीं है। 2019 में उन्हें दाएं कोहनी की शल्य चिकित्सा करवानी पड़ी थी। 2022 में जांघ की चोट के कारण वह राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर रहे। 2023 में मांसपेशियों की परेशानी ने उनका सत्र प्रभावित किया, जबकि 2024 में जोड़ की परेशानी के कारण उन्होंने एक प्रतियोगिता से नाम वापस लिया था। अब टखने की चोट के कारण वह एशियाई खेलों और हीरा लीग के अंतिम मुकाबले से भी बाहर हो गए हैं। उनका आखिरी बड़ा मुकाबला लॉजेन हीरा लीग रहा, जहां वह श्रीलंका के रुमेश पथिरागे के बाद दूसरे स्थान पर रहे।

'दोस्त मेरा टखना नहीं पूछते...'

नीरज ने कहा कि चोट खेल का हिस्सा है और हर चीज को नियंत्रित नहीं किया जा सकता। ऐसे समय में आसपास के लोगों का साथ बेहद महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण, यात्रा और प्रतियोगिताओं के कारण वह घर से काफी दूर रहते हैं, इसलिए अच्छे दोस्तों का साथ उन्हें सकारात्मक और जमीन से जुड़ा रखता है। उन्होंने कहा कि मुश्किल समय में हर बार सलाह की जरूरत नहीं होती। कई बार सिर्फ किसी दोस्त का फोन करना और किसी बिल्कुल अलग विषय पर बात करना ही काफी होता है। नीरज ने बताया कि उनके कुछ दोस्त जानते हैं कि वह इस समय अच्छी स्थिति में नहीं हैं, लेकिन फोन करने पर वे उनके टखने के बारे में सवाल नहीं करते। वे हंसते हैं, पुरानी बातें याद करते हैं और मिलने के कार्यक्रम बनाते हैं। नीरज के मुताबिक, यही उन्हें याद दिलाता है कि जिंदगी सिर्फ अगली प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है।

जापान से न्यूजीलैंड तक क्रिकेट का महाकुंभ

अफगानिस्तान का 3-0 से सफाया, अब टीम इंडिया के सामने 28 मैचों की चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम का रोमांचक सफर थमने वाला नहीं है। साल 2026 के बचे हुए महीनों में टीम इंडिया के सामने क्रिकेट मुकाबलों की लंबी कतार है। जापान के खिलाफ ऐतिहासिक टी20 मुकाबले से शुरू होने वाला यह अभियान एशियन गेम्स, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सीरीज तक चलेगा। भारतीय टीम को अलग-अलग प्रारूपों में कुल 28 मुकाबले खेलने हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज समाप्त होने के बाद भारतीय टीम का अगला मिशन जापान है। 22 सितंबर को भारत और जापान पहली बार पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला जापान के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में प्रस्तावित है। दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित होने वाला यह मैच क्रिकेट के लिहाज से विशेष महत्व रखता है।

भारत की नजर इस मुकाबले में जीत के साथ अपने व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम की शुरुआत करने पर होगी। जापान के बाद टीम का ध्यान एशियन गेम्स 2026 पर केंद्रित होगा। एशियन गेम्स 2026 में पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक आयोजित होगी। भारतीय टीम को प्रतियोगिता में सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश मिला है। भारत का पहला मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाना है। एशियाई खेलों में भारतीय क्रिकेट टीम की भागीदारी से प्रतियोगिता का रोमांच बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, एशियन गेम्स के दौरान ही भारतीय टीम का घरेलू अंतरराष्ट्रीय सत्र भी शुरू होगा। इससे खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन के सामने व्यस्त कार्यक्रम के बीच रणनीति बनाने की चुनौती रहेगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज

भारत में वेस्टइंडीज का दौरा 27 सितंबर से शुरू होगा। दोनों टीमों के बीच तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे। वनडे सीरीज का पहला मैच 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम, दूसरा 30 सितंबर को गुवाहाटी और तीसरा 3 अक्टूबर को न्यू चंडीगढ़ में होगा। इसके बाद टी20 सीरीज की शुरुआत 6 अक्टूबर को लखनऊ से होगी। दूसरा मुकाबला 9 अक्टूबर को रांची, तीसरा 11 अक्टूबर को इंदौर, चौथा 14 अक्टूबर को हैदराबाद और पांचवां 17 अक्टूबर को बेंगलुरु में प्रस्तावित है। इस सीरीज में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन और टीम संयोजन पर खास नजर रहेगी।

न्यूजीलैंड दौरे पर तीनों प्रारूपों की परीक्षा

वेस्टइंडीज सीरीज के बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड दौरे पर रवाना होगी। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच टी20, पांच वनडे और दो टेस्ट मुकाबले खेले जाएंगे। टी20 सीरीज 22 अक्टूबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होगी और 1 नवंबर को हैमिल्टन में समाप्त होगी। इसके बाद पांच वनडे मुकाबले 4 से 15 नवंबर तक खेले जाएंगे। दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन और दूसरा 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में प्रस्तावित है। टेस्ट सीरीज भारत के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अभियान के लिए महत्वपूर्ण होगी।

साल का अंत श्रीलंका के खिलाफ मुकाबलों से

भारतीय टीम का 2026 का अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के साथ आगे बढ़ेगा। दोनों देशों के बीच तीन वनडे और तीन टी20 मुकाबले खेले जाने हैं। वनडे सीरीज 13 दिसंबर को दिल्ली से शुरू होगी, जबकि 19 दिसंबर को अहमदाबाद में तीसरा मैच प्रस्तावित है। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 22 दिसंबर को राजकोट, दूसरा 24 दिसंबर को कटक और तीसरा 27 दिसंबर को पुणे में खेला जाएगा। इस तरह साल के आखिरी महीने में भी भारतीय टीम का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहेगा।

28 मुकाबलों पर टिकी टीम इंडिया की नजर

जापान के खिलाफ मुकाबले से लेकर श्रीलंका सीरीज तक भारतीय टीम के सामने लगातार क्रिकेट खेलने का कार्यक्रम है। टी20, वनडे और टेस्ट के साथ एशियन गेम्स में भागीदारी खिलाड़ियों की फिटनेस, टीम संतुलन और प्रदर्शन की परीक्षा लेगी। अफगानिस्तान के खिलाफ मिली 3-0 की जीत के बाद अब भारतीय टीम के सामने अगले चरण में भी निरंतरता बनाए रखने की चुनौती होगी।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने की जमकर तारीफ

विराट-रोहित नहीं, सबसे मुश्किल बल्लेबाज हैं पुजारा, 100 डॉट गेंदें खेलने में भी नहीं होती है दिक्कत

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने अपने करियर में सामना किए सबसे मुश्किल भारतीय बल्लेबाज के नाम का खुलासा किया है। खास बात यह है कि उन्होंने विराट कोहली या रोहित शर्मा का नाम नहीं लिया, बल्कि टेस्ट क्रिकेट में अपनी मजबूत रक्षात्मक बल्लेबाजी और धैर्य के लिए पहचाने जाने वाले चेतेश्वर पुजारा को चुना। कमिंस के मुताबिक, पुजारा के खिलाफ गेंदबाजी करना इसलिए बेहद मुश्किल था, क्योंकि वह लंबे समय तक क्रीज पर टिके रह सकते थे और गेंदबाजों को विकेट हासिल करने का मौका आसानी से नहीं देते थे।

'उन्हें आउट करना वाकई बहुत मुश्किल'

हाल ही में एक बातचीत के दौरान कमिंस से अलग-अलग देशों के उन खिलाड़ियों के नाम पूछे गए, जिनका उन्होंने अपने करियर में सामना किया और जिन्हें आउट करना सबसे मुश्किल रहा। भारत की ओर से उन्होंने पुजारा का नाम लिया। कमिंस ने कहा, 'भारत के लिए मैं पुजारा का नाम लूंगा। उन्हें आउट करना वाकई बहुत मुश्किल है। यह ऐसा है जैसे हजारों छोटे-छोटे कागजी कट लगते रहें। अगर वह चाहें तो 100 डॉट गेंदें खेलने में भी उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। वह आपको मौका नहीं देने वाले।' कमिंस का इशारा पुजारा की उस बल्लेबाजी शैली की ओर था, जिसमें वह खराब गेंद का इंतजार करते हुए लंबे समय तक क्रीज पर डटे रहते थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी पुजारा कई मौकों पर भारतीय पारी को संभालते नजर आए हैं।

डेविस कप : भारत का सपना चकनाचूर!

कोरिया ने 3-1 से हराकर डेविस कप के अंतिम-8 में पहुंचने की उम्मीदें तोड़ीं

सियोल। डेविस कप के नए प्रारूप में पहली बार अंतिम आठ में पहुंचने का भारत का सपना दक्षिण कोरिया के हाथों टूट गया। सियोल में खेले गए क्वालीफायर राउंड-2 के मुकाबले में मेजबान कोरिया ने भारत को 3-1 से हराकर नॉकआउट चरण में जगह बना ली। इस हार के साथ भारतीय टीम का शानदार अभियान समाप्त हो गया, जबकि कोरिया नए प्रारूप में अंतिम आठ में पहुंचने वाला एशिया का पहला देश बन गया। नीदरलैंड को हराकर इस चरण तक पहुंची भारतीय टीम के सामने इतिहास रचने का मौका था। हालांकि, शुरुआती दोनों एकल मुकाबले गंवाने के बाद टीम दबाव में आ गई। भारत को मुकाबले में बने रहने के लिए युगल मैच जीतना जरूरी था।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

'टुनटुन' कहने पर लव गिल से भिड़ीं आम्रपाली दुबे, कहा- 'मुझे तुमसे ऐसी उम्मीद नहीं थी'

लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' के हालिया एपिसोड में भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे और लव गिल के बीच तीखी बहस देखने को मिली। विवाद की शुरुआत उस समय हुई, जब लव गिल ने आम्रपाली दुबे को प्यार से 'टुनटुन' कह दिया। हालांकि, आम्रपाली को लव की यह बात पसंद नहीं आई और उन्हें लगा कि उनके शरीर को लेकर टिप्पणी की गई है।

बाद में आम्रपाली ने लव गिल के सामने अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि उन्हें लव से ऐसी बात की उम्मीद नहीं थी। आम्रपाली चाहती थीं कि लव उनकी भावनाओं को समझें और यह स्वीकार करें कि उनकी बात से उन्हें ठेस पहुंची है। हालांकि, लव गिल ने अपनी गलती मानने के बजाय आम्रपाली पर ही नाराजगी जाहिर कर दी। उन्होंने आम्रपाली से कहा कि वह उन्हें ताना न दें और उन्हें अपना करीबी न समझें। लव की यह बात सुनकर आम्रपाली काफी दुखी नजर आईं।

आम्रपाली ने कहा कि अगर लव यह मान लेतीं कि उनकी बात से उन्हें दुख पहुंचा है और आगे से उन्हें 'टुनटुन' नहीं कहेंगी, तो उन्हें अच्छा लगता। इसके बाद लव, आसिफ और घर के अन्य सदस्यों से बातचीत करती नजर आईं। लव ने बताया कि आम्रपाली ने उनकी बात का बुरा मान लिया, जबकि उनका इरादा उन्हें दुख पहुंचाने का नहीं था। आम्रपाली ने यह बातचीत सुन ली और एक बार फिर लव से इस मुद्दे पर बात की।

आम्रपाली बोलीं- समझो उस बात का मुझ पर क्या असर हुआ

बातचीत के दौरान आम्रपाली ने स्पष्ट किया कि 'टुनटुन' कहे जाने वाली बात उन्हें बॉडी शेमिंग जैसी लगी और उन्हें लव से ऐसी उम्मीद नहीं थी। उन्होंने लव से कहा कि वह यह समझने की कोशिश करें कि उस शब्द का उन पर क्या प्रभाव पड़ा। लव गिल ने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि किसी व्यक्ति के लिए 'टुनटुन' शब्द का क्या अर्थ होता है। इस पर आम्रपाली ने जवाब दिया कि यह बात स्पष्ट थी और हर कोई जानता है कि 'टुनटुन' नाम किससे जुड़ा है।

'कोशिश करते रहो, किसी दिन दरवाजा खुल जाएगा' अमिताभ बच्चन ने बताया जिंदगी का अनमोल मंत्र

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपनी अभिनय कला से दर्शकों के दिलों में खास जगह रखते हैं। अभिनेता ने जिंदगी में कभी हार न मानने को लेकर एक खास संदेश दिया है। उन्होंने अपने ब्लॉग के जरिए लिफ्ट के ऑटोमैटिक दरवाजे का उदाहरण देते हुए जिंदगी की मुश्किलों और लगातार कोशिश के बीच संबंध समझाया।

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा, कुछ बिना बोले होता है, कुछ बोलके होता है और कुछ ठोक-ठाक के होता है, लेकिन होता जरूर है। उन्होंने आगे लिफ्ट के ऑटोमैटिक दरवाजे का उदाहरण देते हुए बताया कि किस तरह एक छोटी सी कोशिश भी बंद होते दरवाजे को दोबारा खोल सकती है।

छोटी सी कोशिश खोल सकती है बड़े दरवाजे– अभिनेता ने लिखा कि लिफ्ट का ऑटोमैटिक दरवाजा थोड़ी देर बाद अपने आप बंद होने लगता है। अगर कोई व्यक्ति लिफ्ट में चढ़ने में देर कर दे और दरवाजा बंद होने लगे, तो उस समय अगर एक छोटी सी उंगली भी उसके रास्ते में आ जाए, तो दरवाजा दोबारा खुल जाता है और अपनी जगह पर वापस चला जाता है। अमिताभ बच्चन ने इसी उदाहरण को जिंदगी से जोड़ते हुए कहा कि छोटी-छोटी कोशिशें जीवन में बंद दरवाजों को खोल सकती हैं। उन्होंने लिखा, ÷जिंदगी में भी एक छोटा सा प्रार्थना दरवाजा खोल देता है, चाहे वो एक छोटी सी उंगली के बराबर ही क्यों न हो। अमिताभ बच्चन ने अपने संदेश में लगातार प्रयास करते रहने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बिना प्रार्थना किए कुछ मिलना नामुमकिन है। उनका संदेश था कि व्यक्ति को कोशिश करते रहना चाहिए, चलते रहना चाहिए और अपने प्रयासों में लगे रहना चाहिए। किसी दिन बंद दरवाजा भी खुल जाएगा। अमिताभ बच्चन इन दिनों क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति-18वां सीजन' को होस्ट कर रहे हैं। यह शो पहली बार वर्ष 2000 में शुरू हुआ था और भारतीय टेलीविजन की चर्चित फ्रेंचाइजी में शामिल हो चुका है।

मेट्रो बाजार

एनवीडिया प्रमुख जेन्सेन हुआंग का दावा

एआई से 2030 तक दुनिया के खत्म होने का खतरा नहीं

नई दिल्ली। एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन्सेन हुआंग ने उन आशंकाओं को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वर्ष 2030 तक दुनिया के लिए विनाशकारी साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी स्थिति के पैदा होने की संभावना जीरो प्रतिशत है। एक साक्षात्कार में हुआंग ने कहा कि एआई के कारण दुनिया के खत्म होने जैसी भविष्यवाणियां तर्कहीन हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या ऐसी चेतावनियों के पीछे राजनीतिक, व्यावसायिक या सिर्फ ध्यान आकर्षित करने की मंशा हो सकती है। हुआंग ने कंपनियों से एआई विकास की गति तेज करने का आह्वान किया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उत्पादों की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदारी बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कंपनियों को ऐसे एआई सिस्टम जारी नहीं करने चाहिए जो पूरी तरह तैयार या सुरक्षित न हों। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब प्रौद्योगिकी जगत के कई अन्य नेताओं ने अधिक शक्तिशाली एआई प्रणालियों के विकास की रफ्तार को नियंत्रित करने और सुरक्षा उपायों को मजबूत बनाने की वकालत की है। हाल के दिनों में एंथ्रोपिक के सीईओ दारियो अमोदेई, ओपनएआई के प्रमुख सैम ऑल्टमैन और अन्य तकनीकी विशेषज्ञों ने उन्नत एआई प्रणालियों को लेकर अधिक सख्त सुरक्षा उपायों की मांग की थी।

सेमीकंडक्टर में आत्मनिर्भर भारत की बड़ी उड़ान, 200 कंपनियां आगे आईं

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' के तहत कम से कम 200 चिप डिजाइन कंपनियां सामने आई हैं। ये कंपनियां देश में ही सेमीकंडक्टर बौद्धिक संपदा तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। 105 से अधिक चिप डिजाइन स्टार्टअप्स को अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन स्वचालन उपकरणों की सुविधा मिली है, जबकि 20 स्टार्टअप्स ने उद्यम पूंजी के जरिए निवेश हासिल किया है।

मंत्री ने बताया कि 85 हजार डिजाइन इंजीनियरों को प्रशिक्षण देने के लक्ष्य के मुकाबले चार वर्षों में करीब 70 हजार चिप डिजाइन इंजीनियरों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए गुणवत्ता के साथ प्रतिस्पर्धी लागत भी जरूरी है। वैष्णव ने बताया कि पहले चरण के तहत मंजूरी प्राप्त 12 संयंत्रों में से पांच में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो चुका है। उन्होंने भारत को भरोसेमंद देश बताते हुए बौद्धिक संपदा की सुरक्षा के क्षेत्र में देश के मजबूत रिकॉर्ड का भी उल्लेख किया।

वैश्विक कंपनियों की भारत में बढ़ी दिलचस्पी– मंत्री ने 'सेमीकॉन इंडिया 2026' को देश और विदेश से मिले व्यापक समर्थन का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें बड़े स्तर पर कारोबारी बातचीत हुई और प्रमुख सेमीकंडक्टर अर्थव्यवस्थाओं ने भागीदारी की। देश-विशिष्ट बैठकों के दौरान वैश्विक कंपनियों ने भारत के साथ अपना जुड़ाव बढ़ाने में रुचि दिखाई। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मजबूत सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला के लिए भरोसेमंद वैश्विक साझेदारी को जरूरी बताया। उन्होंने भरोसा, विश्वसनीयता, प्रोत्साहन और मूल्य निर्माण को सहयोग का प्रमुख आधार बताया।

आसमान में दिखा वायुसेना का शौर्य, 35 मिनट भरी रोमांचक उड़ानें; 5 मीटर की दूरी पर उड़े नौ हॉक विमान

मेरठ. एजेंसी। मेरठ के आसमान में पहली बार भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एयरोबेटिक टीम ने रोमांच और शौर्य का प्रदर्शन किया। मोहिउद्दीनपुर स्थित न्यू इंटीग्रेटेड टाउनशिप परिसर में 35 मिनट तक चले एयर शो में जांबाज पायलटों ने हैरतअंगेज हवाई करतब दिखाए। लूप और बैरल रोल समेत अलग-अलग मैनूवर देखकर दर्शक हैरान रह गए और तालियों से पूरा कार्यक्रम स्थल गूंज उठा।

सूर्य किरण एयर शो के पहले दिन तेज धूप और भीषण गर्मी के बावजूद दर्शकों का उत्साह कम नहीं हुआ। लोग सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने लगे और बेसब्री से एयर शो का इंतजार करते दिखे। जैसे ही एयर शो शुरू हुआ, आसमान में विमानों के करतब देखकर मेरठ के लोग खुशी से झूम उठे। दर्शकों ने इसे मेरठ के लिए गौरवशाली क्षण बताया। जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह ने भी इस पल को मेरठ के लिए ऐतिहासिक बताया।

पहली बार मेरठ में एयर शो

भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम का दो दिनी एयर शो शुरू हुआ। सुबह 10 बजे जांबाज पायलटों ने आसमान में उड़ान भरकर अलग-अलग हवाई करतब दिखाए। यह मेरठ में सूर्यकिरण टीम का पहला एयर शो है। हालांकि यूपी में यह दूसरा शो है। पहले लखनऊ में एयर शो हो चुका है।

न्यूज विंडो

दिल्ली: CCTV लगा रहे कर्मियों को ट्रक ने रौंदा, तीन की मौत

दक्षिणी दिल्ली. एजेंसी। सरिता विहार थाना क्षेत्र में रविवार तड़के भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल भी हुए हैं। पुलिस के मुताबिक रोड नंबर तीन पर नोएडा की तरफ से आ रहा ट्रक (एचआर 37 एजे 7110) एक खड़ी क्रेन और खड़े आटो-रिक्शा से टकरा गया। ऑटो-रिक्शा में 'सेफ सिटी प्रोजेक्ट' (सीसीटीवी इंस्टालेशन) के कर्मचारी थे, जो उस समय सीसीटीवी लगाने का काम कर रहे थे। हादसे में संगम विहार निवासी 23 वर्षीय उमेश, 35 वर्षीय प्रवीण व कंपनी के एचआर मैनेजर सूरज की मौत हो गई।

वहीं, संगम विहार निवासी 20 वर्षीय आकाश, 26 वर्षीय अनूप व रोहिणी निवासी 40 वर्षीय खेम सिंह घायल हुए हैं। वहीं संगम विहार निवासी सुधीर सुरक्षित बच गए। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से भाग निकला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुंबई: कालाचौकी महागणपति पंडाल के पास करंट से दो की मौत

मुंबई. एजेंसी। मुंबई के कालाचौकी में रविवार 20 सितंबर की सुबह महागणपति उत्सव मंडल में बिजली का झटका लगने से आठ साल की बच्ची की मौत और एक महिला की मौत हो गई। चार अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से 12 साल की एक बच्ची की हालत गंभीर है। उसे आईसीयू में भर्ती कराया है। घटना गणेशोत्सव मंडल के प्रवेश द्वार के पास हुई, जहां पीने के पानी का एक अस्थायी स्टॉल लगाया गया था। बीएमसी के मुंबई फायर ब्रिगेड से मिली जानकारी के अनुसार, स्टॉल पर बिजली का करंट महसूस किया गया। एहतियात के तौर पर फायर ब्रिगेड ने बिजली सप्लाई बंद कर दी और उस इलाके की घेराबंदी कर दी। घटना में छह लोग प्रभावित हुए। शुरुआत में 5 लोगों को मसीना अस्पताल व एक को ग्लोबल अस्पताल भेजा। मसीना अस्पताल में 8 साल की बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया।

विकसित भारत में निजी निवेश जरूरी: मुख्य आर्थिक सलाहकार

नई दिल्ली. एजेंसी। केंद्र सरकार ने विकसित भारत के लिए ज्यादा प्राइवेट इन्वेस्टमेंट की जरूरत पर जोर दिया है और कहा है, सिर्फ सरकारी खर्च से विकसित भारत का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता।

वित्त मंत्रालय के बयान के अनुसार, मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने राज्यों-केंद्र के अधिकारियों और वित्त मंत्रियों से कहा, 'हालांकि भारत का बचत आधार काफी बड़ा है और इसे और बढ़ाने की जरूरत है लेकिन विकसित भारत के लिए जरूरी निवेश जुटाने के लिए निजी पूंजी की बड़ी भागीदारी बहुत जरूरी होगी।' शुक्रवार को आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर ने भी ऐसी ही बातें कही थीं। बयान में कहा गया, 'डीईए सचिव ने जोर दिया कि विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए जरूरी बड़े बदलाव को सिर्फ सरकारी बजट से पूरा नहीं किया जा सकता।

इजराइली अखबार की रिपोर्ट में दावा- बोइंग से 12 अपाचे हेलिकॉप्टर की डील भी अटकी

इजराइली सेना में हथियार-सैनिक कम पड़े, तीन साल की जंग में टैंक भी घिसे

इजराइल। एजेंसी

इजराइल में सेना के पास कुछ हथियारों और सैनिकों की कमी हो गई है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है। अखबार मारिव के मुताबिक 3 साल की जंग में इजराइली सेना ने जितना गोला-बारूद इस्तेमाल किया, वह पिछले 30 साल में इस्तेमाल किए गए गोला-बारूद के बराबर था। इस वजह से बड़ी संख्या में टैंक घिस गए हैं और वे इस्तेमाल के लायक नहीं रह गए हैं। सैनिकों की भी गंभीर कमी है। उनकी छुट्टियां रोक दी गई हैं।

वहीं, चैनल 12 ने बताया, अमेरिकी कंपनी बोइंग से 12 अपाचे अटैक हेलिकॉप्टर की खरीद बजट में कमी की वजह से रुक गई है।

अक्टूबर 2023 में हमास के हमले के बाद इजराइल ने गाजा में सैन्य अभियान शुरू किया था। इसके बाद लड़ाई का दायरा गाजा से आगे बढ़ा। इजराइल ने लेबनान और ईरान में भी सैन्य कार्रवाई की। वेस्ट बैंक व सीरिया में भी उसकी सैन्य कार्रवाई जारी रही। इस दौरान सेना को एक से ज्यादा मोर्चों पर टैंक, बख्तरबंद वाहन, गोला-बारूद और दूसरे सैन्य उपकरण इस्तेमाल करने पड़े।

अमेरिका से हर साल हजारों करोड़ की मदद

अमेरिका हर साल इजराइल को औसतन 3.8 अरब डॉलर (करीब 29 हजार करोड़ रुपए) की सैन्य मदद देता है। इस मदद से इजराइल अमेरिका से लड़ाकू विमान, हथियार और दूसरे सैन्य उपकरण खरीद सकता है। अमेरिकी संसदीय रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल दूसरे विश्व युद्ध के बाद अमेरिका से सबसे ज्यादा विदेशी सहायता पाने वाला देश रहा है। बता दें कि 2023 तक अमेरिका इजराइल को करीब 1.5 लाख करोड़ रुपए की सैन्य सहायता दे चुका था।

ऐसे हालातों में सिर्फ हथियारों की खरीद के लिए बजट की परेशानी देखकर यह कहना मुश्किल है कि इजराइली सेना के पास युद्ध लड़ने के लिए हथियार खत्म हो गए हैं।

एक्सपर्ट बोले- हथियार खत्म नहीं हुए, भंडार घटा

रक्षा विश्लेषक हमजा अत्तार ने अल जजीरा से बातचीत में कहा कि इजराइली सेना के पास हथियारों की ऐसी कमी नहीं है कि वह युद्ध लड़ने की स्थिति में न हो। उनके मुताबिक, इजराइल आमतौर पर जरूरत से ज्यादा हथियारों का भंडार रखता है। तीन साल की जंग में हथियारों और सैन्य उपकरणों का इस्तेमाल हुआ है। इसलिए सेना अब खर्च हुए और क्षतिग्रस्त हथियारों की जगह नए हथियार लाकर अपना भंडार फिर से बढ़ाना चाहती है। इसके लिए उसे ज्यादा बजट की जरूरत है।

यानी यहां 'हथियारों की कमी' का मतलब यह नहीं है कि इजराइल के पास युद्ध लड़ने के लिए हथियार ही नहीं बचे हैं। इसका मतलब यह भी हो सकता है कि सेना अपने हथियारों का भंडार उस स्तर पर बनाए रखना चाहती है, जिसे वह लंबे युद्ध के लिए जरूरी मानती है।

मक्का समझौते पर सवाल

हूतियों की पाक-तुर्किये को धमकी..सऊदी का साथ दिया..अंजाम बुरा

सना। एजेंसी

यमन के हूती विद्रोहियों ने पाकिस्तान और तुर्किये को सीधी चेतावनी दी है। हूतियों ने कहा है कि अगर इन दोनों देशों ने यमन में सऊदी अरब के साथ मिलकर कोई सैन्य दखल दिया, तो उन्हें इसका कड़ा जवाब मिलेगा। यह चेतावनी सऊदी अरब पर हूतियों के नए हमलों के बीच सामने आई है। हूती (अंसार अल्लाह) के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और धमार के गवर्नर मोहम्मद अल-बुखैती ने एक इराकी टीवी कार्यक्रम 'अनदर रीडिंग' में यह बात कही। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान और तुर्किये इसमें शामिल होते हैं, तो वे उन पर पूरी ताकत से वार करेंगे और दोनों देशों को ऐसा सबक सिखाएंगे जिसे वे याद रखेंगे।

अल-बुखैती ने यह भी माना कि पाकिस्तान और तुर्किये की आम जनता के दिलों में यमन के लिए गहरी हमदर्दी है। उन्होंने साफ किया कि उनकी यह चेतावनी वहां के लोगों के लिए नहीं, बल्कि दोनों देशों की सरकारों के लिए है। यदि वे सैन्य रूप से सऊदी अरब का साथ देती हैं। हूतियों की धमकी के बाद 'मक्का संयुक्त रक्षा समझौते' की चर्चा तेज हो गई है। तुर्किये, पाकिस्तान और सऊदी अरब ने 7 अगस्त को रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

दिल्ली में नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या का मामला

3 नाबालिगों पर चलेगा वयस्कों जैसा केस ! बोन ऑसिफिकेशन टेस्ट कराएंगे

नई दिल्ली। एजेंसी

बाहरी दिल्ली के स्वरूप नगर में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म और हत्या में दिल्ली पुलिस तीन नाबालिगों पर वयस्क की तरह मुकदमा चलाने की अनुमति के लिए किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) का रुख कर सकती है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अपराध की गंभीरता को देखते हुए यह कदम उठाने पर विचार किया जा रहा है। पीड़िता को करीब 8 बार चाकू मारा गया था। पुलिस 10 दिनों के अंदर चार्जशीट दाखिल करने की कोशिश में जुटी है। एक नाबालिग ने पूछताछ में कथित तौर पर बताया कि लड़की उस पर शादी के लिए दबाव बना रही थी। इसी फेर में उसने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस इसकी जांच कर रही है। आरोपियों की उम्र तय करने के लिए बोन ऑसिफिकेशन टेस्ट कराने पर विचार किया जा रहा है। पीड़िता के परिवार के पास उम्र साबित करने वाले दस्तावेज न होने से ऑसिफिकेशन टेस्ट कराया जा सकता है।

आधी रात तक मोटबुंग और आसपास के इलाके में चलता रहा प्रदर्शन

मणिपुर...कांगपोकपी में 6 ग्रामीणों को हिरासत में लेने पर हिंसक प्रदर्शन, सुरक्षा बलों ने छोड़े आंसू गैस के गोले

इंफाल। एजेंसी

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सुरक्षा बलों द्वारा छह ग्रामीणों को हिरासत में लिए जाने के विरोध में कुकी समुदाय के लोगों ने हिंसक प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने रविवार को इस घटना की जानकारी दी। यह उग्र प्रदर्शन शनिवार रात करीब 10 बजे शुरू हुआ और आधी रात तक मोटबुंग और उसके आसपास के इलाकों में चलता रहा। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाकर रास्ता रोका और सरकारी वाहनों पर जमकर पथराव किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि सुरक्षा बलों ने बिना कोई कारण बताए खोलेन गांव के छह ग्रामीणों को हिरासत में लिया है। खोलेन गांव नागा बहुल चवांगकिनिंग गांव के पास स्थित है, जहां हाल ही में हथियारबंद बदमाशों ने हमला किया था। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के कई गोले दागे। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों की गाड़ियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए भारी निर्माण मशीनों का इस्तेमाल किया और मोटबुंग में नेशनल हाईवे-2 (इंफाल से दीमापुर) के कुछ हिस्सों को खोद दिया।

विरोध प्रदर्शन में घायल हुए ग्रामीण

विरोध प्रदर्शन और हंगामे के दौरान कुछ प्रदर्शनकारी घायल भी हो गए, जिन्हें पास के एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है।

मेट्रो एंकर **यूपी की सियासी चौसर: सहयोगी ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में**

पूर्वांचल में चार सहयोगियों को 70 से 75 सीटें देगी भाजपा

लखनऊ। एजेंसी

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक के लिए भाजपा सीट बंटवारे के मामले में पहले से अधिक उदार रवैया अपनाएगी। खासकर उस पूर्वांचल में जहां बीते लोकसभा चुनाव में मतदाताओं ने पार्टी के लिए खतरे की घंटी बजाई थी। इस क्षेत्र में जातीय समीकरण को एक बार फिर से अपने पक्ष में मोड़ने के लिए पार्टी काफी हद तक इसी क्षेत्र में प्रभाव रखने वाले तीन दलों अपना दल (एस), निषाद पार्टी और सुभासपा के करिश्मे पर निर्भर है।

पूर्वांचल में ही अपना मुख्य आधार रखने वाली इन तीनों पार्टियों को भाजपा 50 से 55 सीटें दे सकती है। पार्टी की योजना पश्चिम यूपी में अपनी इकलौती सहयोगी रालोद को अधिकतम 20 सीटों पर मनाने की है।

पूरब को लेकर चिंता

चुनाव में पार्टी की मुख्य चिंता पूर्वी उत्तर प्रदेश को लेकर है। इस क्षेत्र में 2017 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले 2022 में कमजोर प्रदर्शन के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन ने भाजपा को बहुत पीछे धकेल दिया था। सपा गठबंधन ने क्षेत्र की 27 में से 15 सीटों पर जीत दर्ज की थी। अब पार्टी की योजना अपने तीन सहयोगियों के जरिए गैरयादव ओबीसी में अपनी पुरानी पकड़ कायम करने की है। इन तीनों ही दलों का अलग-अलग कुर्मी, निषाद और राजभर समुदाय में पकड़ है और इनमें करीब सौ सीटों पर अपने वोट बैंक के जरिए परिणाम को प्रभावित करने की क्षमता है।

कड़े मोलभाव की तैयारी में सहयोगी

बीते विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार भाजपा के सहयोगियों की संख्या 2 से बढ़ कर 4 हो गई है। सभी सहयोगी सीट बंटवारे पर कड़ा मोलभाव करने की तैयारी कर रहे हैं। पिछले चुनाव में सपा की अगुवाई वाले गठबंधन का हिस्सा रहे रालोद और सुभासपा अपनी पुरानी संख्या क्रमशः 33 और 18 सीटों पर दावेदारी कर रहे हैं।

निषाद पार्टी मांग रही 25 सीटें, अपना दल को भी चाहिए ज्यादा

पिछली विधानसभा चुनाव में 16 सीटों पर लड़ने वाली निषाद पार्टी इस बार 25 सीटें मांग रही है। वहीं, 17 सीटों पर लड़ने वाली अपना दल एस की भी इस बार अधिक सीटों के लिए दावेदारी है। हालांकि बीते चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ 33 सीटों पर मैदान में उतरी रालोद भी सीटों के बंटवारे में बड़ा मोलभाव करने की तैयारी में है। सहयोगियों की संख्या बढ़ने के कारण इस बार भाजपा 330 से 335 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। सूत्रों की मानें तो सीटों के बंटवारे पर रायशुमारी चल रही है। लेकिन नवरात्र के बाद ही सहयोगियों के साथ बातचीत का दौर शुरू होगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524